www.tamsasanket.com
वर्ष: 29 || अंक 141 || अम्बेडकरनगर
मंगलवार
11 अगस्त 2026 || पृष्ठ: 08 || मूल्य: ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक
तमसा संकेत

https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदय: 05:35
सूर्यास्त: 06:48
अधिकतम: 34°00
न्यूनतम: 28°00

पेज 07

विशेष समाचार भागवत की नजरों में जेन... >> पेज 04
थाने में पुजारी ने फांसी... >> पेज
आमिर को इग्नोर करने के दावे ...

3 किलोमीटर तिरंगा यात्रा में पैदल चले मुख्यमंत्री बोले क्रांतिकारियों को डकैत पढ़ाना अपमान

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तिरंगा यात्रा कार्यक्रम के मंच से पिछली सरकारों पर निशाना भी साधा। कहा कि आजादी के बाद से 2022 तक क्रांतिकारियों को डकैत पढ़ाया गया।

'काकोरी कांड को डकैती पढ़ाया जाता रहा'

सीएम योगी ने पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि आजादी के बाद से 2022 तक क्रांतिकारियों को डकैत पढ़ाया गया। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों ने काकोरी कांड को डकैती कहा था। आजादी के बाद भी लंबे समय तक इसे काकोरी ट्रेन डकैती के रूप में पढ़ाया जाता रहा। मुख्यमंत्री ने इसे क्रांतिकारियों का अपमान बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने तिरंगा यात्रा के जरिए युवाओं को देश के गौरव और क्रांतिकारियों के बलिदान से जोड़ने का काम किया है।

'तिरंगा आजादी का मंत्र'

संदेश

- सीएम की अगुवाई में उमड़ा जन-समुद्र, गूंजा राष्ट्र प्रथम का उद्घोष
- मुख्यमंत्री के नेतृत्व में निकाली गई तिरंगा यात्रा का पूरे रास्ते पुष्पवर्षा से किया गया भव्य स्वागत
- असंख्य हाथों में लहराता रहा तिरंगा, सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति से बही देशभक्ति की बयार
- भव्य व नयनाभिराम दृश्य की साक्षी बनी चारों ओर तिरंगे से रंगी-सजी गुरु गोरखनाथ की नगरी

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। अनगिनत गुब्बारों, झंडों के बीच तिरंगे में रंगा-सजा ढाई किलोमीटर का रास्ता। असंख्य हाथों में लहराता राष्ट्रध्वज तिरंगा, वंदे मातरम और भारत माता की जय के बारंबार तरंगित होते उच्च स्वर। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच पुष्पवर्षा की निर्बाधित श्रृंखला। राष्ट्र प्रथम की भावना से ओतप्रोत, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में सोमवार को निकाली गई तिरंगा यात्रा के जरिये गोरखपुर महानगर भव्य और नयनाभिराम दृश्य का साक्षी बना। नगर निगम परिसर से रेलवे स्टेशन चौक तक निकाली गई इस तिरंगा यात्रा में देशभक्ति की बयार बही तो राष्ट्र प्रथम का उद्घोष गुंजायमान होता रहा। हाथ में तिरंगा लेकर करीब ढाई किलोमीटर तक पदयात्रा करने वाले सीएम योगी पर पुष्पवर्षा करने के लिए गुरु गोरखनाथ की नगरी का हर नागरिक उत्साहित दिखाई दिया।

>> (शेष पेज 06 पर)

घर ले जाएं तिरंगा, सेल्फी भी लें

यात्रा से पहले संबोधन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राष्ट्र के क्रांतिकारी युवाओं के आदर्श हैं। उनके योगदान को याद रखना जरूरी है। उन्होंने कहा, 'तिरंगा आजादी का मंत्र है।' बलिदान देने वाले वीरों का सम्मान करना हर नागरिक का कर्तव्य है। मुख्यमंत्री ने लोगों से तिरंगा घर ले जाने और उसके साथ सेल्फी लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि तिरंगा सिर्फ एक ध्वज नहीं, बल्कि देश की आजादी, संघर्ष और बलिदान की पहचान है। यात्रा में स्कूली बच्चों और महिलाओं में खासा उत्साह रहा। जगह-जगह लोग हाथों में तिरंगा लेकर मुख्यमंत्री के साथ चलते नजर आए। यात्रा के समापन पर गुब्बारे उड़ाकर राष्ट्र की एकता और अखंडता का संदेश दिया गया। तिरंगा यात्रा का समापन महाराणा प्रताप चौक पर जाकर हुआ। जहां सीएम ने स्कूली बच्चों के साथ फोटो खिंचवाई और गुब्बारे को हवा में छोड़कर एकता का संदेश दिया।

- गो संरक्षण से गांवों में खुलेगा कमाई का नया रास्ता, 10 रुपये लीटर खरीदा जाएगा गोमूत्र
- बुलंदशहर में एफपीओ के जरिए शुरू हुआ पायलट प्रोजेक्ट, 15 गांवों में खोली गईं गोमूत्र डेयरी
- रोजाना एकत्र हो रहा 500 लीटर गोमूत्र, जड़ी-बूटियों के साथ मिलाकर तैयार की जा रहीं खेती के लिए दवाएं
- 300 महिलाओं को बनाया गया शेयरहोल्डर, गोमूत्र संग्रह पर प्रति लीटर दो रुपये कमीशन

गांवों में लगाए गए 200 लीटर क्षमता के टैंक

गोमूत्र के संग्रहण के लिए गांवों में 200 लीटर क्षमता के टैंक लगाए गए हैं। इससे पशुपालकों को गोमूत्र बेचने के लिए दूर नहीं जाना पड़ता। गांव में ही इसकी खरीद और संग्रह की व्यवस्था की गई है। स्थानीय स्तर पर संग्रहण की व्यवस्था होने से पशुपालकों, विशेषकर महिलाओं को इससे जोड़ना आसान हुआ है। इस पूरी व्यवस्था में ग्रामीण महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। गांवों में गोमूत्र एकत्र करने में सहयोग करने वाली महिलाओं को प्रति लीटर दो रुपये कमीशन दिया जा रहा है।

>> (शेष पेज 06 पर)

कोलंबिया में 7.4 तीव्रता का भूकंप, 20 की मौत

कई लोग मलबे में दबे, सैकड़ों घायल

कोहराम

तमसा संकेत, एजेंसी

बोगोटा। दक्षिण अमेरिकी देश कोलंबिया में 7.4 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया। इसमें अब तक 20 लोगों की मौत हो गई हैं। भूकंप स्थानीय समय के मुताबिक सोमवार सुबह करीब 7 बजे आया। लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आए। कई इमारतें खाली कराई गई हैं। सैकड़ों लोगों के घायल होने की खबर है। अमेरिकी भूगर्भ सर्वेक्षण के मुताबिक, भूकंप का केंद्र राजधानी बोगोटा से करीब 400 किलोमीटर पश्चिम में पालमार इलाके में था। इसके झटके पड़ोसी देश इक्वाडोर और वेनेजुएला तक महसूस किए गए।

- कोलंबिया दुनिया के सबसे ज्यादा भूकंप प्रभावित देशों में से एक है। यहां हर साल हजार से ज्यादा छोटे-बड़े भूकंप आते हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

भोपाल में 24 घंटे में 7 इंच बारिश 50 कॉलोनियों में भरा पानी

राजस्थान के स्कूल से 30 बच्चों का रेस्क्यू

अलर्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, हिमाचल और छत्तीसगढ़ में पिछले 24 घंटे से लगातार बारिश हो रही है। इसके चलते नदी-नाले उफान पर हैं। भोपाल में पिछले 24 घंटे में सबसे ज्यादा 7 इंच बारिश दर्ज हुई। शहर की 50 से ज्यादा कालोनियों में पानी भर गया है।

राजस्थान के झालावाड़ का कालीखाड़ डैम ओवरफ्लो हो गया है। इससे झीकनी गांव के स्कूल में पानी भर गया। यहां फंसे 30 बच्चों को गांव वालों की मदद से रेस्क्यू किया गया। उत्तराखंड के चमोली में नीती वैली में लगातार बारिश से तमक के पास बना पुल उफनती नदी के साथ बह गया। इससे घाटी के 17 गांवों का संपर्क टूट गया है।

- राजगढ़ में वैन बही, दो महिलाओं समेत 9 की मौत
- चमोली में पानी के साथ बह गया बैली ब्रिज

>> (शेष पेज 06 पर)

फास्ट न्यूज

बंगाल के जलपाईगुड़ी में किसान का अपहरण

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले में 35 साल के चाय किसान दीपांकर गोप के अपहरण का मामला सामने आया है। घटना शनिवार को भारत-बांग्लादेश सीमा के पास राजगंज ब्लॉक के कुकुरजान इलाके के एक चाय बागान में हुई।

आरोप खुदखुशी

गुजरात में रैगिंग से परेशान जूनियर डॉक्टर ने किया सुसाइड

सूरत । गुजरात में सूरत के गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) में पढ़ाई कर रहे फर्स्ट ईयर के रेजिडेंट डॉक्टर हर्ष पंड्या ने रैगिंग से परेशान होकर रविवार को सुसाइड कर लिया।

कॉलेज के चार सीनियर अनुज महेश्वरी, दीक्षित धेवरिया, निराली वसावे और हिनाबेन भूत पर रैगिंग का आरोप लगा है। कॉलेज प्रशासन ने इन्हें 6 महीनों के लिए सस्पेंड कर दिया है। साथ ही उन्हें हॉस्टल खाली करने का भी आदेश दिया गया है।

मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने सोमवार को चारों के खिलाफ FIR भी दर्ज करवाई है।

छात्रों पर विवादित बयान देने वाला केरलम का यूट्यूबर गिरफ्तार

कोच्चि। केरलम पुलिस ने सोमवार को यूट्यूबर टीजी मोहनदास को गिरफ्तार कर लिया। उन पर NEET पेपर लीक के विरोध में जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों को लेकर विवादित बयान देने का आरोप है। पुलिस ने जांच के लिए डिजिटल डिवाइस भी जब्त किए हैं।

राममंदिर चढ़ावा चोरी : चंपत राय फिर महासचिव की रेस में

विहिप ने क्लीनचिट दी, अयोध्या के संतों ने निर्दोष बताया

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या। राम मंदिर चढ़ावा चोरी के आरोपों से घिरे चंपत राय एक बार फिर मंदिर ट्रस्ट के महासचिव बनने की रेस में है। चंपत ने 26 जून को महासचिव पद से इस्तीफा दे दिया था। सूत्रों के मुताबिक, 22 जुलाई को दिल्ली में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) की राष्ट्रीय बैठक में उन्हें क्लीनचिट दे दी गई। इसके अगले ही दिन अयोध्या में उनके समर्थन में संतों ने बैठक की। मणिराम दास छावनी में हुई बैठक में कई प्रमुख संतों ने चंपत राय को बेदाग बताते हुए दोबारा महासचिव बनाने की मांग उठाई। ज्यादातर संतों ने इसका समर्थन भी किया।

इसके बाद से चंपत राय रोज संतों के पास पहुंच रहे हैं। वह मंदिरों में पहुंचकर संतों-महंतों से मुलाकात कर रहे हैं। राम मंदिर व्यवस्था को लेकर विचार-विमर्श कर रहे हैं। खुद के प्रति विश्वास बढ़ाने की कोशिश में लगे हैं।

- अयोध्या में चंपत राय के समर्थन में जुटे थे संत-महंत
- संतों ने मंदिर-मंदिर जाकर चंपत के लिए समर्थन मांगा

>> (शेष पेज 06 पर)

राहुल गांधी बोले- बल प्रयोग गलत, भूख हड़ताल कर रहे छात्र नेता देवेंद्र हॉस्पिटल में भर्ती

झारखंड विधानसभा गेट के पास प्रदर्शनकारी छात्रों पर लाठीचार्ज

घेराव

तमसा संकेत, एजेंसी

रांची । झारखंड के रांची में JPSC-JSSC परीक्षा में धांधली के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हजारों छात्र बैरिकेडिंग तोड़ विधानसभा गेट के पास पहुंच गए। छात्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे। पुलिस ने उन्हें गेट से हटाने की कोशिश की, लेकिन नहीं हटे तो लाठीचार्ज कर खदेड़ दिया।

कई बार पुलिस और छात्रों के बीच झड़प की नौबत आई। दो-तीन बार लाठीचार्ज करना पड़ा। कुछ छात्रों के सिर पर चोटें आई हैं। प्रदर्शनकारियों ने भी पुलिस पर पानी की बोतलें और चप्पलें फेंकीं।

>> (शेष पेज 06 पर)

झारखंड विधानसभा कैंपस में घुसे हजारों की संख्या में आंदोलनकारी छात्र।

अनशन पर बैठे छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो की तबीयत बिगड़ गई। पुलिस प्रशासन ने उन्हें सदर अस्पताल में भर्ती कराया है।

पुलिस की ओर से छात्रों पर आंसू गैस के गोले छोड़े गए।

प्रदर्शनकारी छात्रा ने कहा- पुलिस ने खदेड़ कर छात्रों को पीटा

एक प्रदर्शनकारी छात्रा ने कहा कि एक भी महिला पुलिस कर्मी नहीं थी, सभी लोगों को खदेड़ कर मारा जा रहा है। एक तरफ झारखंड सरकार 'महिला सम्मान योजना' चलाती है, तो दूसरी तरफ ये लोग माताओं-बहनों के साथ मारपीट करते हैं। इन्हें काली वर्दी पहनाई जानी चाहिए।

छात्र नेता रविंद्र ने कहा- सरकार हमारी मांगों पर गंभीर नहीं

छात्र नेता रविंद्र पासवान ने कहा कि सरकार हमारी मांगों पर गंभीर नहीं है। सरकार की मंशा हमारे साथ नहीं है। अब यह आंदोलन जन आंदोलन की ओर कूच कर चुका है। अब हम सीधे मुख्यमंत्री से बात करेंगे। उनके प्रतिनिधिमंडल के पास न तो तर्क है और न ही तर्क को समझने की शक्ति है।

मांग : अखिलेश ने पोस्टर लेकर प्रदर्शन किया, कैलेंडर में अमित शाह की गैरहाजिरी दिखाई

सरकार 'दूध का दूध, पानी का पानी' करे : डिंपल

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/नई दिल्ली । सपा सांसद डिंपल यादव ने सोमवार को संसद भवन के बाहर कहा कि हमारी मांग है कि सरकार राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मामले पर जवाब दे। केंद्र सदन के अंदर स्पष्टीकरण दे। यूपी सीएम भी बताएं कि जब 2 साल से चोरी चल रही थी, तो यह उनकी नजरों के सामने कैसे नहीं आई? सरकार 'दूध का दूध और पानी का पानी' करे। इससे पहले, सपा मुखिया अखिलेश यादव ने सुबह 11 बजे संसद परिसर में विपक्षी सांसदों के साथ प्रदर्शन किया। उन्होंने 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर छात्रों के विरोध-प्रदर्शन के दौरान पुलिस एक्शन पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से बयान की मांग की। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में जवाब मांगा। >> (शेष पेज 06 पर)

राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर डिंपल बोलीं- सरकार और मुख्यमंत्री स्पष्टीकरण दें

सपा सांसद डिंपल यादव ने कहा- चढ़ावा चोरी पर खुद यूपी के सीएम ने कहा था कि 'दूध का दूध और पानी का पानी' करेंगे। न जाने कितने चक्कर उन्होंने अयोध्या के लगाए। जब खुलासा हुआ तो पहले दबाने की कोशिश की गई, बाद में लीपापोती करने लगे। वहां जमीनों में इतनी बड़ी धांधली हुई है, ट्रस्ट ने महंगी-महंगी जमीनें खरीदी हैं, जो दान आया, उसमें चोरी की गई, दान पेटियों से दान गायब है। इसीलिए हम यह मांग करते हैं कि जो यह चंदा चोरी का पूरा मामला है, इसमें सरकार स्पष्टीकरण दे। सदन के अंदर भी स्पष्टीकरण दे और मुख्यमंत्री जी भी स्पष्टीकरण दें कि जब 2 साल से चोरी चल रही थी, तो यह उनकी नजरों के सामने कैसे नहीं आई?

> संसद परिसर में बोले सपा प्रमुख- संस्थाओं को डराने और कब्जा करने की दिशा में बढ़ रही सरकार

भाजपा पर लगाया जमीनों पर अवैध कब्जे का आरोप

अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में जमीनों पर अवैध कब्जे का आरोप लगाते हुए भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बड़ी संख्या में संस्थाएं काम कर रही हैं और कई जगहों पर संस्थाओं की जमीनों को लेकर भी विवाद सामने आए हैं।

सपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि भाजपा से जुड़े लोगों द्वारा खाली जमीनों और तालाबों पर कब्जे किए जा रहे हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

जंतर-मंतर पर फायरिंग का आदेश किसने दिया : राहुल

नड्डा बोले- गृह मंत्री हर बात का जवाब देने को तैयार

मांग

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने सोमवार को दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एक बार फिर जंतर-मंतर प्रदर्शन पर हुए लाठीचार्ज का मुद्दा उठाया। राहुल ने सवाल किया कि लाठीचार्ज का आदेश किसने दिया। इसका जिम्मेदार कौन है, वो सामने आए। गृह मंत्री सदन में आकर बयान दें।

राहुल ने कहा कि विपक्ष की तीन मांगें हैं। पहली- युवाओं पर गोली चलाने की जिम्मेदारी स्पष्ट हो। दूसरी- प्रधानमंत्री घटना के लिए माफी मांगें और तीसरी- राम मंदिर में चोरी के मुद्दे पर चर्चा हो।

राहुल के प्रेस कॉन्फ्रेंस के एक घंटे बाद जेपी नड्डा ने मीडिया से बातचीत में कहा- जंतर-मंतर पर कोई गोली नहीं चली। राहुल गांधी भ्रम फैला रहे हैं। गृहमंत्री हर बात का जवाब देने को तैयार, आप चर्चा से मत भागिएगा।

- राहुल गांधी ने सोमवार को दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उसके बाद जेपी नड्डा ने राहुल के आरोपों का जवाब दिया।

>> (शेष पेज 06 पर)

अफसरों को दिए निर्देश, हर पीड़ित की समस्या का हो समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण

घबराइए मत कराएंगे हर समस्या का समाधान

मुलाकात

जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सुनीं 200 लोगों की समस्याएं

तमसा संकेत, संवाददाता

गोरखपुर। रविवार शाम गोरखपुर आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में रात्रि प्रवास करने के बाद सोमवार सुबह जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात की। उन्होंने समस्या लेकर आए सभी लोगों की ध्यान से बात सुनी। उनके प्रार्थना पत्र लिए और आत्मीयता से बोले, 'घबराइए मत, आपकी समस्या का समाधान जरूर कराया जाएगा।' जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान दें और उसका त्वरित, गुणवत्तापूर्ण व पारदर्शी निराकरण कराएं।

सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री ने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान करने के निर्देश दिए। कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे। अपनत्व के भाव से 'कहां से आए हैं, क्या बात है', कहते हुए एक-एक कर सबकी समस्याएं सुनीं। भरोसा दिया कि वह सभी की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कराएंगे। किसी को भी परेशान होने या घबराने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिप्रद होना चाहिए। कुछ लोगों द्वारा जमीन कब्जाने की शिकायत पर उन्होंने कठोर कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए।

मंदिर की गोशाला में सीएम योगी ने की गोसेवा

गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान सोमवार सुबह मुख्यमंत्री की दिनचर्या परंपरागत रही। शिवावतार गुरु गोरखनाथ का दर्शन पूजन करने तथा अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की प्रतिमा समक्ष शीश झुकाने के बाद वह मंदिर परिसर के भ्रमण पर निकले। उन्होंने मंदिर की गोशाला में पहुंचकर गोसेवा की। गोशाला में सीएम योगी ने गोवंश को खूब दुलारा और अपने हाथों से उन्हें गुड़ खिलाया।

गंभीर बीमारियों में इलाज के लिए देंगे पर्याप्त आर्थिक सहायता

जनता दर्शन में कई लोग गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक सहायता का अनुरोध लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें भरोसा देते हुए कहा कि इलाज में धन की कमी बाधक नहीं होगी, सरकार पर्याप्त आर्थिक सहायता देगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अस्पताल के एस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द पूर्ण कराकर शासन में भेजें। मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से इलाज के लिए धनराशि दी जाएगी।

भोजपुरी फिल्म 'रिश्तों की लीला' की शूटिंग बाराबंकी में हुई शुरू

> 'रिश्तों की लीला' में श्रुति राव के साथ अभिनव तिवारी, विक्की सिंह, सुमित सागर, अनूप अरोड़ा, नीलम पांडे, निशा तिवारी, आयुषी सुधा और सौरभ सिंह 'रसगुल्ला' सहित कई जाने-माने कलाकार महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे।

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। भोजपुरी सिनेमा के दर्शकों के लिए एक नई फिल्म की शुरुआत हो गई है। बाराबंकी में भोजपुरी फिल्म 'रिश्तों की लीला' की शूटिंग शुरू हो चुकी है। फिल्म में अभिनेत्री श्रुति राव मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म के टाइटल से ही साफ है कि कहानी रिश्तों और उनसे जुड़े भावनात्मक पहलुओं के इर्द-गिर्द बुनी गई है। फिल्म का निर्माण जिया इन्फोकस फिल्म क्रिएशन एंड स्माकांत पाठक एंड को. के बैनर तले किया जा रहा है। फिल्म को ZIFC Music के साथ प्रस्तुत किया जा रहा है, जो इस प्रोजेक्ट का एक प्रमुख आकर्षण है। फिल्म की स्टारकास्ट को देखते हुए माना जा रहा है कि इसमें मनोरंजन के साथ-साथ पारिवारिक और भावनात्मक पहलुओं को भी प्रमुखता दी जाएगी।

फिल्म के निर्माता रमाकांत पाठक, धीरेन्द्र मणि त्रिपाठी और संजय सिंह हैं। फिल्म का निर्देशन आदित्य श्रीवास्तव कर रहे हैं। वहीं फिल्म के डीओपी डी.के. शर्मा हैं, जो सिनेमैटोग्राफी की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। फिल्म की कहानी मनोज पांडेय ने लिखी है। फिल्म की शूटिंग बाराबंकी के आसपास शुरू होने के साथ ही टीम ने अपने प्रोजेक्ट पर काम तेज कर दिया है। उत्तर प्रदेश के लोकेशंस भोजपुरी फिल्मों के लिए हमेशा से खास रहे हैं और 'रिश्तों की लीला' की शूटिंग भी इसी क्षेत्र में हो रही है।

फास्ट न्यूज

प्रतापगढ़ में कावड़ यात्रियों से भरी पिकअप पलटी

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ में सावन के दूसरे सोमवार पर श्रद्धालुओं से भरा पिकअप वाहन अचानक अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। सभी श्रद्धालु बाबा घुइसरनाथ धाम से जलाभिषेक कर लौट रहे थे। वाहन के पलटते ही मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास मौजूद स्थानीय लोगों की तत्परता से राहत कार्य शुरू किया गया और सभी प्रभावित लोगों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया।

कुर्सी में आर्यावती ग्रामीण बैंक का सर्वर ठप

बाराबंकी। कुर्सी स्थित आर्यावती ग्रामीण बैंक की शाखा में सोमवार को सर्वर ठप रहने से बैंकिंग सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हुईं। सुबह बैंक खुलने के बाद से शाम करीब चार बजे तक सर्वर काम नहीं कर सका, जिसके कारण बड़ी संख्या में खाताधारकों को बिना लेनदेन किए ही वापस लौटना पड़ा। त्योहारों का मौसम नजदीक होने के कारण पैसे निकालने और अन्य जरूरी बैंकिंग कार्यों के लिए बड़ी संख्या में लोग बैंक पहुंचे थे। सर्वर ठप होने से उन्हें भारी असुविधा का सामना करना पड़ा। खाताधारक रामप्रसाद, रामबहादुर, सुमित्रा, अनीता, सुनीत और रामकुमार ने बताया कि शनिवार को बैंक अवकाश के कारण वे लेनदेन नहीं कर पाए थे।

महुली हादसे के पीड़ित परिवार से मिला अपना दल एस

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ के महुली में जर्जर मकान गिरने से एक ही परिवार के छह सदस्यों की मौत के मामले में अपना दल का एक प्रतिनिधिमंडल सोमवार दोपहर 4:30 करीब पीड़ित परिवार के घर पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल ने हादसे में बचे एकमात्र सदस्य अमन श्रीवास्तव से मुलाकात की और उन्हें हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

वाराणसी में 26 लाख की बीएमडब्ल्यू सुपरबाइक सीज

फायरिंग जैसी आवाज निकालते हुए दौड़ा रहा था

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी । वाराणसी में पुलिस ने 26 लाख रुपए की BMW सुपरबाइक सीज की है। बाइक के मॉडिफाइड साइलेंसर से फायरिंग जैसी तेज आवाज निकल रही थी। रविवार रात करीब 10 बजे पुलिस चेकिंग कर रही थी, तभी युवक स्पीड में बाइक की तेज आवाज निकालते हुए गुजरा।

पुलिस ने बाइक चला रहे युवक को रोक लिया और उसे थाने ले आई। पकड़े जाने पर युवक पुलिस से माफी मांगने लगा। उसने कहा- 'साहब, गलती हो गई। अब दोबारा कभी ऐसा नहीं करूंगा। मुझे माफ कर दीजिए।' मामला सिगरा इलाके का है। बाइक सवार युवक मंडुआडीह का रहने वाला शिवांग है। उसने पुलिस को बताया- मैंने 15 दिन पहले ही BMW बाइक खरीदी थी। इसके बाद उसका साइलेंसर मॉडिफाई कराया था। बाइक की नंबर प्लेट अभी नहीं मिली थी।

सिगरा थाना प्रभारी ने बताया कि एक युवक करीब 10 दिन से कॉलोनियों की सड़क पर तेज स्पीड में बाइक दौड़ा रहा था। मॉडिफाइड साइलेंसर से फायरिंग जैसी आवाज निकालता था। किसी के पास से गुजरते समय तेज धमाके जैसी आवाज करता था। इससे लोग घबरा जाते थे। BMW बाइक चला रहे शिवांग मौर्या के पिता का नाम शत्रुघन मौर्या है। उनकी दो साल पहले मौत हो चुकी है। शत्रुघन और उनका परिवार कपड़े का बड़ा व्यवसायी है।

हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजा क्षेत्र

सरयू तट से पंचमुखी बालाजी धाम तक निकली भव्य कांवड़ यात्रा

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। सावन के पावन माह में सोमवार को सूरतगंज क्षेत्र शिवभक्ति के रंग में पूरी तरह रंगा नजर आया। हेतमापुर स्थित सरयू नदी के पावन तट से श्रद्धालुओं ने विधि-विधान के साथ जल भरकर निकली कांवड़ यात्रा विभिन्न गांवों और प्रमुख मार्गों से होते हुए कुड़वा बल्लोपुर स्थित पंचमुखी बालाजी धाम पहुंची, जहां रामेश्वर महादेव मंदिर में भगवान शिव का जलाभिषेक कर श्रद्धालुओं ने सुख-समृद्धि की कामना की।यह यात्रा महामंडलेश्वर राघवदास महाराज के नेतृत्व में निकाली गई।

इस धार्मिक शोभायात्रा में करीब तीन सौ शिवभक्तों ने कांवड़ उठाई। यात्रा शुरू होते ही पूरा वातावरण हर-हर महादेव और बम भोले के जयघोष से गूंज उठा। भगवा वस्त्र धारण किए श्रद्धालु हाथों में कांवड़ लेकर भक्ति में लीन दिखाई दिए। रास्ते भर डीजे पर बज रहे भक्ति गीतों पर कांवड़िए झूमते और नृत्य करते हुए आगे बढ़ते रहे। कांवड़ यात्रा हेतमापुर से प्रारंभ होकर पंडितपुरवा, अटहरी चौराहा, लालपुर करौता, बल्लापुर सहित विभिन्न स्थानों से होकर पंचमुखी बालाजी धाम पहुंची। यात्रा के स्वागत के लिए जगह-जगह स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं की ओर से पुष्प वर्षा की गई। कई स्थानों पर लोगों ने कांवड़ियों का स्वागत करते हुए जलपान भी कराया। इससे यात्रा का माहौल और अधिक भक्तिमय हो गया। यात्रा में 'बम भोले', 'चलो कांवड़ उठाओ', 'शिव की महिमा निराली' सहित विभिन्न धार्मिक गीतों और जयघोषों से वातावरण गुंजायमान रहा। श्रद्धालुओं में भगवान शिव के प्रति गहरी आस्था और उत्साह देखने को मिला। बड़ी संख्या में ग्रामीण भी मार्ग के किनारे खड़े होकर कांवड़ यात्रा का स्वागत करते नजर आए। पंचमुखी बालाजी धाम पहुंचने के बाद कांवड़ियों ने रामेश्वर महादेव मंदिर में पहुंचकर सरयू नदी से लाए गए पवित्र जल से शिवलिंग का विधिवत जलाभिषेक किया। जलाभिषेक के दौरान मंदिर परिसर हर-हर महादेव के जयघोष से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव से परिवार की सुख-शांति, समृद्धि और क्षेत्र की खुशहाली की प्रार्थना की। जलाभिषेक और पूजा-अर्चना के बाद आयोजित भोज-भंडारे में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। वहीं यात्रा मार्ग में मनीष सोनी की ओर से लालपुर में कांवड़ियों के लिए जलपान की विशेष व्यवस्था की गई। कांवड़ यात्रा के दौरान ग्रामीणों और आयोजकों ने आपसी सहयोग और धार्मिक सौहार्द का परिचय दिया।

> यात्रा में बड़ी संख्या में युवाओं के साथ बुजुर्ग श्रद्धालु भी शामिल रहे। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। इस अवसर पर प्रधान दिनेश यादव, प्रेम तिवारी, ज्ञानू शुक्ला, लवकुश मिश्रा, विजय शुक्ला, अरविंद शुक्ला, नरपति सिंह, हरीश मिश्र सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे।

एंबुलेंस में देरी पर सीएचसी में हंगामा, रास्ते में घायल युवक ने भी तोड़ा दम कोतवाल ने घायल को गोद में उठाकर पहुंचाया अस्पताल

तीन शिवभक्तों की बाइक ट्रैक्टर ट्रॉली से भिड़ी दो मौत

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। सावन के दूसरे सोमवार से पहले रविवार की रात महादेव के दर्शन के लिए निकले तीन शिवभक्तों की यात्रा दर्दनाक हादसे में बदल गई। फतेहपुर-सूरतगंज मार्ग पर दादनपुर गांव के पास बाइक सवार तीन युवकों की बाइक सड़क पर जा रही ट्रैक्टर-ट्रॉली से पीछे से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि तीनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि तीसरे की हालत गंभीर बनी हुई है। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी और स्थानीय लोगों की मदद से तीनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फतेहपुर पहुंचाया गया। यहां चिकित्सकों ने जोशीटोला निवासी शैलेंद्र उर्फ हेमल जोशी (22) को मृत घोषित कर दिया। वहीं शक्तिमान जोशी (19) की हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया, जबकि सचिन जोशी (21) का उपचार शुरू किया गया। एंबुलेंस नहीं पहुंचने से आक्रोशित परिजनों और उनके साथ आए लोगों ने सीएचसी परिसर में हंगामा शुरू कर दिया। गाली-गलौज और आंशिक तोड़फोड़ के आरोप भी सामने आए। स्थिति बिगड़ती देख पुलिस ने हस्तक्षेप किया और अपने वाहन से शक्तिमान को जिला अस्पताल ले जाने की व्यवस्था की, लेकिन दुर्भाग्य से अस्पताल पहुंचने से पहले ही रास्ते में उसकी मौत हो गई। दो युवकों की मौत की खबर मिलते ही अस्पताल परिसर में मातम छा गया।

डेढ़ घंटे तक एंबुलेंस का इंतजार, बिगड़ती गई हालत

हादसे के बाद सबसे ज्यादा नाराजगी घायल शक्तिमान को जिला अस्पताल ले जाने के लिए एंबुलेंस की व्यवस्था में हुई देरी को लेकर सामने आई। परिजनों के अनुसार चिकित्सकों ने शक्तिमान की हालत गंभीर देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया था। इसके बाद एंबुलेंस के लिए कई बार संपर्क किया गया, लेकिन करीब डेढ़ घंटे तक वाहन नहीं पहुंचा। परिजनों का आरोप है कि इस दौरान शक्तिमान की हालत लगातार बिगड़ती गई।

दर्शन की राह में मौत ने छीन ली दो जिंदगियां

जानकारी के अनुसार फतेहपुर कस्बे के जोशीटोला निवासी शैलेंद्र उर्फ हेमल जोशी, शक्तिमान जोशी और सचिन जोशी रविवार रात बाइक से लोधेश्वर महादेवा के दर्शन के लिए निकले थे। तीनों फतेहपुर-सूरतगंज मार्ग से होकर महादेवा जाने के लिए निकले थे। दादनपुर चौराहे से आगे उनकी बाइक सड़क पर चल रही ट्रैक्टर-ट्रॉली से जा भिड़ी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टक्कर के बाद तीनों युवक सड़क पर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। कुछ ही देर में घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और घायलों को अस्पताल भेजा गया।

70 वर्षीय श्रद्धालु की बिगड़ी तबीयत, हुई मौत

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। अयोध्या धाम दर्शन के लिए निकले आगरा जनपद निवासी एक बुजुर्ग श्रद्धालु की रविवार देर रात अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। वह अयोध्या जाने से पहले सूरतगंज क्षेत्र स्थित प्रसिद्ध लोधेश्वर महादेव धाम में दर्शन के लिए रुके थे। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, आगरा जनपद के थाना वीरबल क्षेत्र के फरेहरा गांव निवासी रामेश्वर पुत्र गोपाल (70 वर्ष) रविवार को अयोध्या धाम दर्शन के लिए अपने घर से निकले थे। अयोध्या जाने के दौरान उन्होंने बाराबंकी जनपद के सूरतगंज ब्लॉक क्षेत्र स्थित महादेवा धाम में रुककर भगवान लोधेश्वर महादेव के दर्शन करने का निर्णय लिया। बताया जाता है कि रविवार देर रात महादेवा क्षेत्र में ठहरने के दौरान अचानक रामेश्वर की तबीयत खराब हो गई। हालत बिगड़ने पर आसपास मौजूद लोगों द्वारा तत्काल इसकी सूचना पुलिस देते हुए, एंबुलेंस की मदद से उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) सूरतगंज पहुंचाया गया। सीएचसी सूरतगंज में चिकित्सकों ने बुजुर्ग की जांच की, लेकिन उनकी हालत गंभीर थी। चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद डॉक्टरों ने इस घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक के संबंध में जानकारी जुटाते हुए उनके परिजनों को घटना की सूचना दी।

अलर्ट : लखनऊ-नोएडा में तेज बारिश, फर्रुखाबाद में बाढ़, बर्बादी देखकर महिलाएं रोईं

सहारनपुर में पहाड़ों से आया सैलाब, पुल टूटकर बिखरा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/ वाराणसी/ प्रयागराज/ कानपुर। यूपी में सोमवार को लखनऊ-नोएडा समेत 30 से अधिक शहरों में बारिश हुई। सहारनपुर में 24 घंटे से लगातार बरसात हो रही है। इससे गंगराव नदी और शाकुंभरी मंदिर के पास की बरसाती नदी में सैलाब आ गया है।

बहाव इतना तेज था कि मिर्जापुर क्षेत्र में गंगराव नदी पर बना रपटा पुल क्षतिग्रस्त हो गया। नदी का पानी दिल्ली यमुनोत्री हाइवे के ऊपर से बहने लगा। सड़कों-कॉलोनियों में 3-4 फीट पानी भर गया। घरों-दुकानों में पानी भर गया। कारें-बाइकें आधी डूब गईं। पहाड़ों पर हो रही बारिश से यूपी में गंगा-यमुना समेत 10 नदियां उफान पर हैं। फर्रुखाबाद-बिजनौर में गंगा नदी का पानी हाईवे के ऊपर बह रहा है। कई सड़कें डूब गई हैं। 40 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। दर्जनों गांव टापू बन गए हैं। लोग अपने गांवों और घरों को छोड़कर सड़कों पर टेंट लगाकर रह रहे हैं। रात के वक्त सड़कों पर सोने को मजबूर हैं। फर्रुखाबाद में 21 घर गंगा नदी में समा चुके हैं। कटान की जद में आए बाकी मकानों को लोग खुद ही तोड़ रहे, ताकि ईंट-सरिया जैसे सामानों को बचा सकें और हालात सुधरने के बाद फिर से घर बनाने में उनका इस्तेमाल कर सकें। मकान टूटते देख महिलाएं फूट-फूटकर रो पड़ीं। बिलखते हुए कहा- पाई-पाई जोड़कर घर बनाया, लेकिन बाढ़ ने जिंदगीभर की कमाई बर्बाद कर दी। अब कहां जाएंगे? मथुरा में यमुना नदी का पानी घाटों की सीढ़ियों तक पहुंच गया है। वृंदावन में केशीघाट का परिक्रमा मार्ग डूब गया। भक्त एक फीट पानी में उतरकर परिक्रमा कर रहे हैं। कानपुर शहर से 25 किमी. दूर गंगा के ब्रह्मावर्त घाट पर 'ब्रह्मा की खूंटी' मंदिर में खूंटी डूब गई है। काशी में गंगा का पानी मणिकर्णिका घाट तक पहुंच गया है।

फर्रुखाबाद में बाढ़ की वजह से लोग खुद ही अपने मकान तोड़ रहे हैं।

मां शाकंभरी देवी मंदिर की बरसाती नदी में आई बाढ़

पहाड़ी और मैदानी इलाकों में लगातार हो रही बारिश के बाद मां शाकंभरी देवी मंदिर क्षेत्र की बरसाती नदी में भी पानी बढ़ गया है। बारिश का असर अब मैदानी क्षेत्रों में साफ दिखाई दे रहा है, जहां कई बरसाती नदियां और नाले उफान पर आ गए हैं। नदी में अचानक बढ़े जलस्तर के कारण आसपास के क्षेत्रों में सतर्कता बढ़ा दी गई है। स्थानीय प्रशासन हालात पर नजर बनाए हुए है। श्रद्धालुओं और ग्रामीणों से नदी और तेज बहाव वाले इलाकों से दूरी बनाए रखने की अपील की गई है।

फर्जी लॉ डिग्री पर वकालत का बड़ा खुलासा

प्रयागराज। वकालत की फर्जी डिग्रियों, दस्तावेजों के सहारे इलाहाबाद हाईकोर्ट समेत जिला अदालतों के वकील बन जाने का बड़ा मामला सामने आया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट के सख्त आदेशों के बाद फर्जी लॉ डिग्री के आधार पर बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश में पंजीकरण कराने वाले वकीलों के खिलाफ पूरे उत्तर प्रदेश में कार्रवाई तेज हो गई है।

बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के सचिव आरके शुक्ला ने सोमवार को बताया कि उच्च न्यायालय के आदेश के अनुपालन में अभी तक 105 ऐसे अधिवक्ताओं को चिन्हित किया गया है, जिनकी लॉ डिग्रियां बार काउंसिल ऑफ इंडिया के सर्टिफिकेट एंड प्लेस ऑफ प्रैक्टिस वेरिफिकेशन रूल्स-2015 के तहत सत्यापन में फर्जी पाई गई हैं। इन सभी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। प्रयागराज के डीसीपी सिटी मनीष शांडिल्या कहना है कि एफआईआर दर्ज करना शुरू हो गया है।

अकीदत और एहतराम के साथ निकला चेहल्लुम का जुलूस

सुरक्षा को लेकर पुलिस प्रशासन रहा मुस्तैद

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। हजरत इमाम हुसैन और कर्बला के शहीदों की याद में चेहल्लुम का जुलूस सोमवार को सूरतगंज कस्बे में अकीदत और एहतराम के साथ निकाला गया। जुलूस में बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने शामिल होकर कर्बला के शहीदों को खिराज-ए-अकीदत पेश किया। इस दौरान पूरा क्षेत्र या हुसैन की सदाओं से गूंजता रहा। जुलूस निर्धारित मार्गों से होता हुआ आगे बढ़ा। इसमें अंजुमनों की ओर से नौहाख्वानी और मातम किया गया। अकीदतमंदों ने गमगीन माहौल में कर्बला के शहीदों को याद किया। जुलूस के दौरान लोगों में काफी उत्साह के साथ-साथ धार्मिक भावनाओं के प्रति गहरा सम्मान देखने को मिला। चेहल्लुम के जुलूस को लेकर पुलिस प्रशासन पहले से ही सतर्क रहा। सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई थी। ऐसे में जुलूस के मार्ग पर लगातार निगरानी बनाए रखी तथा भीड़ को व्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ाया। संवेदनशील स्थानों पर विशेष सतर्कता बरती गई। पुलिस प्रशासन की मुस्तैदी के चलते जुलूस शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।

विकास में तीसरा, राजस्व में आठवां विकास में तीसरा, राजस्व में आठवां अम्बेडकरनगर प्रदेश में चौथे पायदान पर

मुख्यमंत्री डैशबोर्ड की रैंकिंग में जिले का बेहतर प्रदर्शन

सुधार

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर। मुख्यमंत्री डैशबोर्ड की प्रदेश स्तरीय रैंकिंग में अम्बेडकरनगर ने एक बार फिर बेहतर प्रदर्शन किया है। विकास कार्यक्रमों की प्रगति में जिले को प्रदेश में तीसरा स्थान मिला है, जबकि राजस्व कार्यक्रमों में आठवीं रैंक हासिल हुई है। दोनों श्रेणियों के प्रदर्शन के आधार पर जिले ने समग्र रैंकिंग में प्रदेश में चौथा स्थान प्राप्त किया है। मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर विभिन्न विकास योजनाओं और कार्यक्रमों की प्रगति के आधार पर जिलों की रैंकिंग की जाती है। इसमें अम्बेडकरनगर ने तीसरा स्थान हासिल किया। जिले के विभिन्न विभागों में संचालित योजनाओं की प्रगति और निर्धारित लक्ष्यों के आधार पर यह रैंकिंग तय हुई है। प्रशासन की समीक्षा में जिन योजनाओं या कार्यों की प्रगति अपेक्षा के अनुरूप नहीं मिलती, उन्हें चिन्हित कर संबंधित अधिकारियों को सुधार के निर्देश दिए जाते हैं। अधिकारियों से लक्ष्य के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करने को कहा गया है।

जिला प्रशासन के अनुसार अम्बेडकरनगर मुख्यमंत्री डैशबोर्ड की प्रदेश स्तरीय रैंकिंग में लगातार टॉप-5 जिलों में बना हुआ है। विभागीय योजनाओं की प्रगति की नियमित समीक्षा और कमजोर बिंदुओं की पहचान कर सुधार के निर्देश दिए जा रहे हैं।

> **राजस्व से जुड़े कार्यक्रमों की प्रदेश स्तरीय रैंकिंग में जिले को आठवां स्थान मिला। विकास और राजस्व दोनों क्षेत्रों के प्रदर्शन को मिलाकर तैयार समग्र रैंकिंग में अम्बेडकरनगर चौथे पायदान पर रहा।**

हर विभाग की प्रगति पर निगरानी

जिलाधिकारी ईशा प्रिया के मार्गदर्शन में विभिन्न विकास एवं राजस्व कार्यक्रमों की नियमित समीक्षा की जा रही है। अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्यों को समय से पूरा करने और योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर विभागवार प्रगति की भी लगातार निगरानी की जा रही है।

डीएम ने अधिकारियों के प्रयासों की सराहना की

जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने जिले की रैंकिंग पर संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि मौजूदा प्रदर्शन को बनाए रखते हुए विकास एवं सुशासन के क्षेत्र में और बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए विभागों को समन्वय के साथ काम करना होगा। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्यों की समयबद्ध पूर्ति और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर लगातार ध्यान देने के निर्देश दिए।

बदलेगी सड़क की तस्वीर 668 करोड़ के कॉरिडोर का खाका तैयार

बरियावन में फ्लाईओवर और तीन अहम पुलों का प्रस्ताव

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। टांडा से सुरहुरपुर तक का करीब 30 किलोमीटर लंबा मार्ग आने वाले समय में पूरी तरह नए स्वरूप में दिखाई दे सकता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जिले के दौरे के बाद टांडा-सुरहुरपुर मार्ग को नार्थ-साउथ कॉरिडोर से जोड़ने की कवायद ने तेजी पकड़ी है। शासन से प्रस्ताव मांगे जाने के बाद लोक निर्माण विभाग ने करीब 668.08 करोड़ रुपये का नया प्रस्ताव तैयार कर भेज दिया है। इसमें सड़क चौड़ीकरण के साथ बाईपास, फ्लाईओवर और नदी पुलों का निर्माण शामिल है।

टांडा से बरियावन, पट्टी होते हुए सुरहुरपुर तक करीब 29.70 किलोमीटर मार्ग को 14 मीटर चौड़ा करने की योजना प्रस्तावित है। वर्तमान में इस मार्ग की चौड़ाई

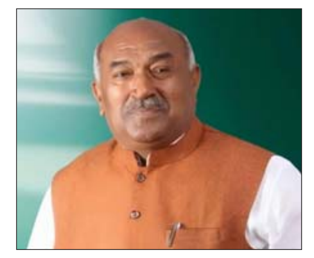

अलग-अलग हिस्सों में 3.75, 5.50 और सात मीटर तक है। प्रस्ताव के अनुसार सड़क में नौ मीटर चौड़ा कैरिज-वे होगा। बीच में ढाई मीटर का डिवाइडर और दोनों ओर दो-दो मीटर की पटरी प्रस्तावित है।

कॉरिडोर की सबसे अहम कड़ियों में बरियावन बाजार का फ्लाईओवर शामिल है। यहां करीब 700 मीटर लंबे फ्लाईओवर का प्रस्ताव है। इसके लिए करीब 137.71 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसका उद्देश्य बाजार क्षेत्र में वाहनों के दबाव को कम करना और आवागमन को सुगम बनाना है।

योजना में सुरहुरपुर में करीब 1.9 किलोमीटर लंबा बाईपास भी प्रस्तावित किया गया है। बाईपास बनने से मुख्य बाजार क्षेत्र से गुजरने वाले यातायात को वैकल्पिक मार्ग मिल सकेगा। प्रस्ताव में सुल्तानगढ़ के पास टॉस नदी पर पुल निर्माण के लिए करीब 16.80 करोड़ रुपये रखे गए हैं। इसके अलावा सम्मनपुर में तमसा नदी पर करीब 120 मीटर लंबे दो लेन पुल का निर्माण भी प्रस्तावित है। इन पुलों के निर्माण से कॉरिडोर की कनेक्टिविटी को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

प्रस्तावित कॉरिडोर टांडा, अकबरपुर और जलालपुर क्षेत्रों को जोड़ते हुए आगे के जिलों तक आवागमन को बेहतर करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

फास्ट न्यूज

अकबरपुर में एक साथ नौ वारंटियों पर शिकंजा

अम्बेडकरनगर। कोतवाली अकबरपुर पुलिस ने पुराने मामलों में न्यायालय से जारी वारंटों के बावजूद फरार चल रहे नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तारी के लिए पांच टीमों का गठन किया था। अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर सभी नौ वारंटियों को पकड़ा गया। आवश्यक कार्रवाई के बाद पुलिस ने उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश किया।

पैमाइश के बाद भी नहीं रुका निर्माण

अम्बेडकरनगर। अकबरपुर तहसील क्षेत्र के जमुनीपुर गांव में चकमार्ग की भूमि पर कथित अतिक्रमण को लेकर शिकायत सामने आई है। गांव निवासी छोटेलाल वर्मा ने आरोप लगाया है कि चकमार्ग पर निर्माण किए जाने से उनका आवागमन प्रभावित हो रहा है। उनका कहना है कि मौके की पैमाइश कराए जाने के बावजूद निर्माण पूरी तरह नहीं रुका। उन्होंने जिलाधिकारी और उपजिलाधिकारी अकबरपुर से दोबारा पैमाइश कराकर रास्ता अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग की है। छोटेलाल वर्मा ने 25 जून 2026 को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि वह गाटा संख्या 1195 में अपने भाइयों के साथ रहते हैं।

कॉलेज की जमीन पर कब्जे की शिकायत

अम्बेडकरनगर। आलापुर क्षेत्र के आरिबपुर स्थित निर्माणाधीन रामनारायण गर्ल्स डिग्री कॉलेज की भूमि को लेकर विवाद सामने आया है। गांव निवासी 70 वर्षीय नंदिका देवी ने कॉलेज और उसकी भूमि पर कथित कब्जे का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री से शिकायत की है। शिकायत में उन्होंने पूर्व सांसद और वर्तमान एमएलसी हरिओम पांडे की पत्नी अंजू पांडे पर आरोप लगाए हैं।

चोरी की बाइक पर फर्जी नंबर प्लेट लगाकर घूम रहे थे, चोर गिरफ्तार

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। इब्राहिमपुर पुलिस ने वाहन चोरी के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने बाइक की पहचान छिपाने के लिए उस पर फर्जी नंबर प्लेट लगा रखी थी। दोनों को मिर्जा अयूब बेग चौराहे के पास अमीनपुर से गिरफ्तार किया गया। तलाशी में दो मोबाइल फोन और 1070 रुपये भी मिले हैं।

पुलिस के अनुसार रविवार शाम मुखबिर से वाहन चोरों के संबंध में सूचना मिली थी। इसके बाद इब्राहिमपुर पुलिस टीम ने मिर्जा अयूब बेग चौराहे के पास अमीनपुर में घेराबंदी की। शाम करीब 5:40 बजे दो संदिग्धों को पकड़ लिया गया। पूछताछ के दौरान उनके कब्जे से हीरो होंडा सुपर स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद हुई।

पुलिस की जांच में बरामद मोटरसाइकिल चोरी की निकली। उस पर

लगी नंबर प्लेट भी फर्जी बताई गई। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने बाइक की पहचान छिपाने के लिए नंबर प्लेट बदली थी। मोटरसाइकिल को कब्जे में लेकर उसके संबंध में आगे की जांच की जा रही है।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शमसाद (29) निवासी सिकंदरपुर, थाना सम्मनपुर और अली अकबर (29) निवासी मुबारकनगर, थाना इकौना, श्रावस्ती के रूप में हुई है। पुलिस दोनों से वाहन चोरी से जुड़े अन्य तथ्यों के बारे में पूछताछ कर रही है। पुलिस ने चोरी की मोटरसाइकिल के अलावा दोनों आरोपियों के पास से दो मोबाइल फोन और 1070 रुपये बरामद किए हैं। बरामद सामान को कब्जे में लेकर जांच में शामिल किया गया है।

कैफे में मारपीट के बाद घर पहुंचे युवक की मौत

पोस्टमार्टम से खुलेगा मौत का राज

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जलालपुर कोतवाली क्षेत्र के नगपुर गांव में रविवार देर रात मारपीट के बाद एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। युवक के परिजनों ने पुरानी रंजिश को लेकर कुछ लोगों पर मारपीट करने का आरोप लगाया है। घटना के बाद पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मौत की वास्तविक वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद स्पष्ट होगी। नगपुर निवासी ध्रुव गुप्ता रविवार रात करीब 10:30 बजे बच्चों के लिए खाने-पीने का सामान लेने गांव स्थित मुकुंद कैफे गया था। पत्नी उषा गुप्ता की ओर से पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार, कैफे में पहले से चली आ रही रंजिश को लेकर कुछ लोगों से ध्रुव का विवाद

नगपुर में पुरानी रंजिश को लेकर विवाद का आरोप, परिजनों ने सीने पर चढ़कर पीटने और गला दबाने का लगाया आरोप

हो गया। परिजनों का आरोप है कि कहासुनी के बाद ध्रुव के साथ मारपीट की गई। तहरीर में आरोप लगाया गया है कि आरोपितों ने उसके सीने पर चढ़कर लात-घूंसों से हमला किया और गला दबाने का प्रयास किया। इसके बाद ध्रुव किसी तरह वहां से निकलकर अपने घर पहुंचा। परिजनों के मुताबिक ध्रुव ने घर पहुंचकर अपने भाई अमित, चाचा बजरंगी और पड़ोसी अभिषेक को घटना की जानकारी दी। उस समय उसकी नाक से खून निकल रहा था। परिजनों का कहना है कि उसकी हालत लगातार बिगड़ रही थी। परिजनों के अनुसार घर पहुंचने के कुछ देर बाद ध्रुव की तबीयत अचानक ज्यादा खराब हो गई और उसकी मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया।

लघु सिंचाई योजना के नाम पर ठगी से सावधान, किसानों से मांगी जा रही रकम

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। मुख्यमंत्री लघु सिंचाई योजना के नाम पर किसानों से धनराशि मांगने के मामले सामने आने के बाद लघु सिंचाई विभाग ने किसानों को सतर्क किया है। विभाग के मुताबिक जिले को अभी योजना के तहत विभागीय लक्ष्य प्राप्त नहीं हुआ है। इसके बावजूद कुछ लोगों द्वारा बोरिंग कराने के नाम पर किसानों से पैसे मांगे जाने की जानकारी सामने आई है।

सहायक अभियंता, लघु सिंचाई विभाग ने किसानों को जारी सूचना में बताया कि कुछ जालसाज बोरिंग कराने के लिए धनराशि की मांग कर रहे हैं। किसानों से फोन के माध्यम से संपर्क कर रकम मांगने की स्थिति में विशेष सावधानी बरतने को कहा गया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि लघु सिंचाई विभाग में कृषक अंश जमा करने की निर्धारित प्रक्रिया है। इसके लिए ट्रेजरी चालान या बैंक ड्राफ्ट के माध्यम से धनराशि जमा की जाती है। विभाग के अनुसार कृषक अंश के नाम पर किसी से नकद धनराशि नहीं

विभाग ने जारी की चेतावनी, बोरिंग के लिए फोन पर पैसे मांगने वालों से रहें सतर्क नकद नहीं लिया जाता कृषक अंश

ली जाती। विभागीय सूचना के मुताबिक अम्बेडकरनगर जिले को मुख्यमंत्री लघु सिंचाई योजना के तहत अभी तक विभागीय लक्ष्य प्राप्त नहीं हुआ है। ऐसे में बोरिंग कराने के नाम पर फोन करके धनराशि मांगने वालों के दावों पर भरोसा नहीं करने की अपील की गई है। सहायक अभियंता ने किसानों से कहा है कि ऐसे फोन पर ध्यान न दें और किसी अनजान व्यक्ति को योजना के नाम पर रकम न दें।

उत्कृष्ट प्रदर्शन पर राज्यपाल ने जिला प्रशासन को किया सम्मानित

एचपीवी टीकाकरण में जिला मंडल में अव्वल, प्रदेश में दूसरा

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। किशोरियों को एचपीवी संक्रमण से बचाने के लिए चलाए जा रहे टीकाकरण अभियान में अम्बेडकरनगर ने प्रदेश में दूसरा स्थान हासिल किया है। मंडल स्तर पर जिला पहले स्थान पर रहा। अभियान में बेहतर प्रदर्शन के लिए राज्यपाल ने जिला प्रशासन को सम्मानित किया। जिला प्रशासन की ओर से मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला ने प्रशस्ति पत्र प्राप्त किया।

शासन के निर्देश पर जिले में एक अप्रैल से 31 अगस्त 2026 तक 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की किशोरियों के लिए एचपीवी टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य पात्र किशोरियों को ह्यूमन पैपिलोमावायरस संक्रमण

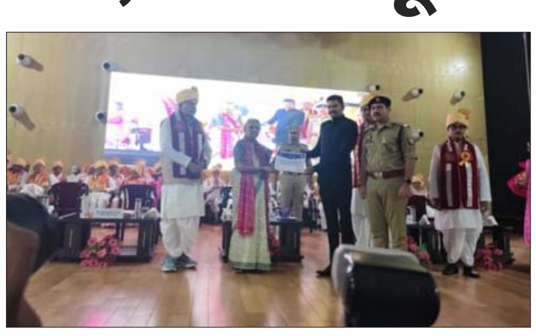

से सुरक्षा प्रदान करना है। जिले में स्वास्थ्य विभाग और संबंधित विभागों के समन्वय से लक्षित आयु वर्ग की किशोरियों तक टीकाकरण की पहुंच बढ़ाने का प्रयास किया गया। इसी प्रदर्शन के आधार पर प्रदेश स्तरीय मूल्यांकन में अम्बेडकरनगर को दूसरा स्थान मिला है। एचपीवी टीकाकरण अभियान 31 अगस्त तक जारी रहेगा। जिला प्रशासन की ओर से शेष अवधि में पात्र किशोरियों तक टीकाकरण की पहुंच बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग को अभियान की गति बनाए रखने और निर्धारित आयु वर्ग की अधिक से अधिक किशोरियों को टीके से आच्छादित करने के निर्देश दिए गए हैं। जिला प्रशासन ने

अभियान में जिले के प्रदर्शन के लिए आचार्य नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय, अयोध्या में आयोजित कार्यक्रम में जिला प्रशासन को सम्मानित किया गया। राज्यपाल ने जिला प्रशासन को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। सीडीओ आनंद कुमार शुक्ला ने जिला प्रशासन की ओर से यह सम्मान ग्रहण किया।

टीकाकरण से संक्रमण से बचाव पर जोर

एचपीवी एक वायरस है, जिसके कुछ प्रकार सर्वाइकल कैंसर सहित अन्य बीमारियों से जुड़े होते हैं। किशोरावस्था में एचपीवी टीकाकरण संक्रमण से बचाव की दिशा में महत्वपूर्ण उपाय माना जाता है। जिले में चल रहे अभियान के माध्यम से पात्र किशोरियों को इसके दायरे में लाने का प्रयास किया जा रहा है।

अभियान की सफलता में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना की है। प्रशासन का जोर अभियान की शेष अवधि में भी नियमित निगरानी और बेहतर समन्वय के साथ टीकाकरण की प्रगति बनाए रखने पर है।

ससुराल में ताला, विवाहिता बाहर एक सप्ताह से आसरे की तलाश

पति समेत ससुरालीजन घर छोड़कर चले गए, कभी गांव में तो कभी परिचितों के यहां रात गुजार रही महिला

पति समेत ससुरालीजन घर छोड़कर चले गए, कभी गांव में तो कभी परिचितों के यहां रात गुजार रही महिला पुलिस से लगाई गुहार

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। सात फेरे लेकर जिस घर को अपना स्थायी ठिकाना माना, उसी घर के दरवाजे पर अब एक विवाहिता के लिए ताला लगा है। पति समेत ससुरालीजन घर छोड़कर चले गए हैं। पिछले करीब एक सप्ताह से विवाहिता गांव में रहने के लिए ठिकाना तलाश रही है। कभी किसी परिचित के यहां रात गुजारती है तो सुबह फिर आसरे की तलाश में निकलती है। आखिरकार उसने पुलिस से शिकायत कर ससुराल में रहने का अधिकार दिलाने और मामले में कार्रवाई की मांग की है।

टांडा के कश्मीरिया मोहल्ला निवासी रूपम रंजन की शादी 19 फरवरी 2023 को सम्मनपुर थाना क्षेत्र के मालीपुर गयासपुर निवासी अशोक कुमार से हुई थी। महिला के मुताबिक उसका पति मुंबई में एक निजी कंपनी में काम करता है और कभी-कभी घर आता है। विवाहिता ने आरोप लगाया कि शादी के बाद से ससुरालीजन उस पर अलग-अलग तरह के आरोप लगाकर प्रताड़ित करते रहे। पति पर भी कई बार मारपीट करने का आरोप लगाया है। उसका कहना है कि विवाद के बावजूद उसने ससुराल छोड़ने की कोशिश नहीं की। उसे उम्मीद थी कि परिवार के लोगों का व्यवहार आगे बदल जाएगा। महिला के अनुसार करीब एक सप्ताह पहले वह ससुराल पहुंची तो घर पर ताला लगा मिला। पति और अन्य ससुरालीजन वहां नहीं थे। मायके पक्ष के लोगों ने भी ससुराल पहुंचकर जानकारी लेने का प्रयास किया, लेकिन घर बंद मिलने के कारण उन्हें वापस लौटना पड़ा। ससुराल का दरवाजा बंद होने के बाद महिला के सामने रहने की समस्या खड़ी हो गई है। उसके मुताबिक गांव के लोगों और परिचितों के यहां शरण लेकर वह किसी तरह दिन काट रही है। स्थायी ठिकाना नहीं होने के कारण उसे हर दिन रहने की जगह तलाशनी पड़ रही है।

हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजे शिवालय

शिवबाबा धाम में उमड़ा आस्था का सैलाब

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। श्रावण के दूसरे सोमवार को जिले का माहौल शिवमय नजर आया। भोर होते ही प्रमुख शिवालयों में श्रद्धालुओं की कतार लग गई। शिवबाबा धाम में जलाभिषेक के लिए श्रद्धालु घंटों अपनी बारी का इंतजार करते रहे। मंदिरों में हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष गूंजते रहे। अकबरपुर से लेकर जलालपुर, टांडा, भीटी और आलापुर तक शिवालयों में दिनभर श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही। श्रद्धालु हाथों में गंगाजल, दूध, बेलपत्र, धतूरा और पुष्प लेकर मंदिर पहुंचे। कतार में अपनी बारी आने पर शिवलिंग का जलाभिषेक और दुग्धाभिषेक किया। इसके बाद बेलपत्र, धतूरा और पुष्प अर्पित किए। दर्शन-पूजन के बाद श्रद्धालु मंदिर से बाहर निकलते गए और

कतार आगे बढ़ती रही। शिवबाबा धाम में आसपास के गांवों के साथ दूर-दराज क्षेत्रों से भी श्रद्धालु पहुंचे। सुबह से शुरू हुआ दर्शन-पूजन का क्रम देर तक चलता रहा। जलाभिषेक के लिए श्रद्धालु कतारबद्ध रहे। मंदिर परिसर में भीड़ के अनुसार आवाजाही कराई जाती रही। अकबरपुर क्षेत्र के गायत्री मंदिर, शहजादपुर शिवालय घाट, पहितीपुर रोड स्थित शिव मंदिर, मीरानपुर शिवालय घाट और बस स्टेशन स्थित शिव मंदिर में भी सुबह से श्रद्धालु पहुंचते रहे।

मांग : हाउस टैक्स की बढ़ोतरी से जलभराव तक, नगर पालिका कार्यालय पर धरना

25 वार्डों की समस्याओं पर गरजी सपा

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। अकबरपुर नगर पालिका क्षेत्र की समस्याओं को लेकर समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने सोमवार को नगर पालिका परिषद कार्यालय पर धरना दिया। नगर अध्यक्ष बादशाह खान के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने बढ़े हाउस टैक्स, जलभराव, नालियों की सफाई, जर्जर सड़कों और खराब स्ट्रीट लाइट समेत कई मुद्दे उठाए। धरने के बाद नगर पालिका प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर समस्याओं के समाधान की मांग की गई। सपा कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि नगर क्षेत्र में हाउस टैक्स में करीब तीन गुना बढ़ोतरी की गई है। उन्होंने इसे जनहित के खिलाफ बताते हुए वृद्धि समाप्त करने की मांग की। उनका कहना था कि बढ़े टैक्स का बोझ सीधे नगरवासियों पर पड़ रहा है। ज्ञापन में नगर क्षेत्र में

कार्यकर्ताओं ने नगर क्षेत्र की नालियों और नालों में जमा मलबे की तत्काल सफाई कराने की मांग की। उनका कहना था कि जलनिकासी व्यवस्था प्रभावित होने से बारिश के दौरान कई इलाकों में जलभराव की समस्या पैदा होती है।

सीवर लाइन बिछाकर जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान कराने की मांग की गई। धार्मिक स्थलों और विद्यालयों के आसपास नियमित सफाई तथा वार्डों की गलियों और चौराहों पर पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराने की मांग भी रखी गई।

सपा कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि कई वार्डों में सड़क और नाली निर्माण के लिए टेंडर हो चुके हैं, लेकिन काम अब तक शुरू नहीं हुआ। उन्होंने लंबित कार्यों को जल्द शुरू कराने की मांग की। धरने में प्रवीण शर्मा, मो. साइम, मनोज यादव, आलोक, विजयभान यादव, कफील, मनोज कुमार सिंह, बृजेश कुमार, ईशा कलीम, धर्मेंद्र कुमार, आनंद राजभर, प्रशांत राजभर, अफरोज मनिहार, बबलू शर्मा, राणा प्रताप प्रजापति, बबलू और हर्षित यादव समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

25 वार्डों में स्ट्रीट लाइट और सड़कों का मुद्दा

ज्ञापन में नगर पालिका के सभी 25 वार्डों की खराब स्ट्रीट लाइटों को दुरुस्त कराने की मांग की गई। इसके अलावा टूटी नालियों और जर्जर सड़कों की मरम्मत कराने पर भी जोर दिया गया।

सपा कार्यकर्ताओं ने तमसा नदी पर बने पुलों के दोनों ओर छह-छह फीट ऊंची बैरिकेडिंग और जाली लगाने की मांग की। उनका कहना था कि इससे सुरक्षा व्यवस्था बेहतर होने के साथ नदी में कूड़ा फेंकने पर भी रोक लगाने में मदद मिलेगी।

चिकित्सा शिक्षा में अम्बेडकरनगर की चमक

डॉ. मुकेश राना को मिला तीसरा सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। महामाया राजकीय एलोपैथिक मेडिकल कॉलेज सद्दरपुर के दो विभागाध्यक्षों ने चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में जिले का नाम रोशन किया है। सामान्य चिकित्सा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. मुकेश राना और विधि-चिकित्सा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अजफर मतीन ने प्रतिष्ठित उन्नत चिकित्सा शिक्षा पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया है। पाठ्यक्रम के अंतिम चरण में डॉ. मुकेश राना ने अपने शोध-परियोजना का प्रभावी प्रस्तुतीकरण किया। उन्हें प्रतिभागियों में सर्वश्रेष्ठ तीसरा पुरस्कार मिला।

उन्नत चिकित्सा शिक्षा पाठ्यक्रम छह माह का प्रशिक्षण कार्यक्रम है। इसमें चिकित्सा शिक्षकों को आधुनिक शिक्षण पद्धतियों, विद्यार्थियों के मूल्यांकन, शैक्षणिक नवाचार और चिकित्सा शिक्षा में

अनुसंधान से जुड़े विषयों का प्रशिक्षण दिया जाता है। पाठ्यक्रम का अंतिम संपर्क प्रशिक्षण कार्यक्रम 7 से 9 अगस्त तक किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ में आयोजित हुआ।

अंतिम प्रशिक्षण के दौरान डॉ. मुकेश राना ने अपने पाठ्यक्रम से जुड़ी परियोजना का प्रस्तुतीकरण किया। विभिन्न चिकित्सा संस्थानों से आए प्रतिभागियों के बीच उनके प्रस्तुतीकरण को सर्वश्रेष्ठ तीन में स्थान मिला। उन्हें सर्वश्रेष्ठ परियोजना प्रस्तुतीकरण के लिए तीसरा पुरस्कार और प्रमाणपत्र प्रदान किया गया।

सम्पादकीय

मेटा को चेतावनी

यह अच्छा हुआ कि भारत सरकार ने इंस्टाग्राम, वाट्सएप और फेसबुक का संचालन करने वाली कंपनी मेटा को यह चेतावनी दी कि उसे भारतीय कानूनों का पालन करना होगा। इसके साथ ही सरकार ने मेटा से अपने एल्गोरिदम को लेकर भी जवाब तलब किया है। यह सुनिश्चित करना होगा कि इस निर्देश का वास्तव में पालन हो, क्योंकि मेटा अथवा अन्य इंटरनेट मीडिया कंपनियां एलगोरिदम का मनमाना उपयोग करती हैं।

एआइ के आगमन के बाद उनके लिए ऐसा करना और आसान हो गया है। अब यह किसी से छिपा नहीं कि इंटरनेट कंपनियां एक विशेष एजेंडे का प्रचार-प्रसार करती हैं। वे यह सुनिश्चित कर रही हैं कि लोग क्या देखें और क्या नहीं? ऐसा करके वे लोगों के चिंतन को प्रभावित कर रही हैं। चिंताजनक यह है कि यह काम प्रायः संकीर्ण उद्देश्यों की पूर्ति के लिए किया जाता है। यह एक तथ्य है कि इंटरनेट कंपनियां कई देशों में चुनावों को प्रभावित करने का काम कर चुकी हैं।

वे ऐसा भारत में भी कर चुकी हैं और इसका पता कैंब्रिज एनालिटिका मामले से चलता है। वैसे तो इंटरनेट मीडिया कंपनियां अपने को 'सोशल मीडिया' कहती हैं, लेकिन सच यह है कि वे असामाजिक और अराजक तत्वों को भी प्रोत्साहन प्रदान करती हैं। वे ध्रुवीकरण के साथ ही सामाजिक विभाजन की खाई भी चौड़ी कर रही हैं। वे कई बार अपने गलत इरादों की पूर्ति करती हुई पाई गई हैं। हर बार वे माफी मांगकर बच निकलती हैं। भारत सरकार को अब केवल माफी से संतुष्ट नहीं होना चाहिए। यदि कोई इंटरनेट मीडिया कंपनी अनुचित कार्य करती पाई जाए तो उसे वैसे ही कठोर दंड का भागीदार बनाया जाना चाहिए जैसे अनेक पश्चिमी देश समय-समय पर बनाते हैं और उन पर भारी जुर्माना लगाते हैं। अभी हाल में अमेरिका ने मेटा पर भारी जुर्माना लगाया। इंटरनेट मीडिया कंपनियां दुनिया भर में लोगों को लती भी बना रही हैं।

अभी हाल में मेटा ने प्रधानमंत्री मोदी के वीडियो को हटाने को लेकर जो माफी मांगी, उसे खारिज कर सरकार ने उचित ही किया। समस्या केवल यह नहीं कि मेटा ने किसी खास एजेंडे के तहत शरारतपूर्ण ढंग से प्रधानमंत्री के वीडियो को हटाया, बल्कि यह भी है कि उसने यह माना कि उसके प्लेटफार्म पर बाल यौन शोषण से जुड़े कंटेंट के साथ-साथ डीपफेक वीडियो को बढ़ावा दिया गया।

यह भी स्वीकारा कि उसने पैसे लेकर हानिकारक सामग्री को बढ़ावा दिया। ये सब ऐसी हरकतें हैं, जिनके लिए मेटा अथवा अन्य इंटरनेट कंपनियों को जवाबदेह बनाना अनिवार्य है। यह सही समय है कि भारत सरकार मेटा एवं अन्य इंटरनेट मीडिया कंपनियों को जवाबदेह बनाने के साथ ही इस पर भी विचार करे कि आखिर विदेशी इंटरनेट मीडिया कंपनियों पर निर्भर रहना कहां तक उचित है?

भागवत की नजरों में जेन जी आंदोलन का दृष्टिकोण

> विचारों के टकराव से घबराने की जरूरत नहीं है। भारतीय संस्कृति स्वयं 'वादे वादे जायते तत्त्वबोधः' की संवाद परंपरा से विकसित हुई है। उपनिषदों में प्रश्न हैं, उत्तर हैं, पुनः प्रश्न हैं। भगवान महावीर की अनेकांत दृष्टि हमें सिखाती है कि सत्य को एकांगी दृष्टि से नहीं देखा जा सकता।

जंतर-मंतर से उठी हाल की युवा आवाजों ने भारतीय लोकतंत्र के सामने कई नए प्रश्न खड़े किए हैं। आंदोलन को लेकर समाज में दो मत हो सकते हैं, आंदोलन की शैली, नेतृत्व और उसके राजनीतिक इस्तेमाल पर भी बहस हो सकती है, लेकिन एक बुनियादी सत्य से कोई इनकार नहीं कर सकता कि लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक को अपनी बात कहने, असहमति व्यक्त करने और शांतिपूर्ण ढंग से विरोध करने का अधिकार है। इसी संदर्भ में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत का युवाओं और विशेषकर जेन-जी को लेकर दिया गया दृष्टिकोण अत्यंत महत्वपूर्ण बन जाता है। उन्होंने साफ कहा कि नई पीढ़ी सवाल करती है, तर्कसंगत उत्तर चाहती है, उसे केवल आदेश देकर नहीं समझाया जा सकता। उनके अनुसार आज जरूरत 'डिक्टेशन' की नहीं, 'डिस्कशन' की और आदेश की नहीं, सहमति की है। भागवत ने हाल में इससे भी आगे बढ़कर कहा कि लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन संवाद का एक वैध माध्यम है और जेन-जी के आंदोलन में उठाई गई शिकायतें जायज हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि विरोध करने वालों को राष्ट्रविरोधी कह देना उचित नहीं है। उनका मानना है कि आंदोलन का उद्देश्य समाज में विभाजन पैदा करना नहीं, बल्कि सहमति और समाधान की दिशा में आगे बढ़ना होना चाहिए। शिक्षा व्यवस्था में सुधार की जरूरत और छात्रों की नाराजगी के बीच संबंध की ओर भी उन्होंने संकेत किया। भागवत के इस दृष्टिकोण की सराहना इसलिए भी की जानी चाहिए कि यह केवल किसी एक आंदोलन या किसी एक सरकार का प्रश्न नहीं है। यह भारतीय लोकतंत्र की उस मूल आत्मा को स्पर्श करता है, जिसमें सत्ता जनता से शक्ति प्राप्त करती है और जनता की आवाज सुनना उसकी संवैधानिक तथा नैतिक जिम्मेदारी है। विरोध को हमेशा विद्रोह मान लेना लोकतंत्र की समझ को संकुचित करना है। असहमति को राष्ट्रविरोध समझना उससे भी बड़ी भूल है। राष्ट्र सरकार से बड़ा है और लोकतंत्र सत्ता से बड़ा। जो नागरिक देश के भविष्य को लेकर सवाल करता है, वह जरूरी नहीं कि देश का विरोध कर रहा हो, कई बार वह देश को बेहतर बनाने की बेचैनी व्यक्त कर रहा होता है। आजादी की वर्षगांठ के अवसर पर जब हम स्वतंत्र भारत की उपलब्धियों का उत्सव मनाते हैं, तब हमें यह भी पूछना चाहिए कि हमारी आजादी का वास्तविक अर्थ क्या है? क्या आजादी केवल तिरंगा फहराने, राष्ट्रगान गाने और स्वतंत्रता सेनानियों को याद करने तक सीमित है? या इसका अर्थ यह भी है कि देश का युवा अपने भविष्य को लेकर सवाल कर सके, व्यवस्था की कमियों की ओर ध्यान आकर्षित कर सके और अपनी बात बिना भय के रख सके? यदि हम सचमुच विकसित भारत, समृद्ध भारत और शक्तिशाली भारत का सपना देखते हैं तो हमें भारत के युवाओं के सपनों को सुनना ही होगा। भारत के महान चिंतकों ने युवाशक्ति को राष्ट्रनिर्माण का आधार माना है। स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को जागने, अपनी शक्ति पहचानने और लक्ष्य की ओर बढ़ने का आह्वान किया था। उनके चिंतन का मूल संदेश यही था कि युवा केवल राष्ट्र का भविष्य नहीं, वर्तमान की सक्रिय शक्ति भी हैं। महात्मा गांधी का विश्वास था कि परिवर्तन केवल सत्ता के गलियारों से नहीं आता, वह जागरूक नागरिकों की चेतना से आता है। डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने बार-बार युवाओं के सपनों को भारत के भविष्य से जोड़ा। उनके लिए सपना वह नहीं था जो सोते समय दिखाई देता है, बल्कि वह था जो व्यक्ति को सोने नहीं देता। आज के युवाओं की बेचैनी को इसी दृष्टि से समझने की आवश्यकता है। नई पीढ़ी और पिछली पीढ़ी के बीच अंतर स्वाभाविक है। पहले परिवार, विद्यालय और समाज में 'क्यों' पूछने की गुंजाइश कम थी, बड़े जो कहते थे, उसे मान लेना संस्कार समझा जाता था। आज का युवा प्रश्न करता है-क्यों, कैसे और किसलिए? वह केवल परंपरा के नाम पर किसी बात को स्वीकार नहीं करता। वह प्रमाण चाहता है, तर्क चाहता है और परिणाम देखना चाहता है। यह बदलाव चुनौती भी है और अवसर भी। यदि हम इस प्रश्नाकुलता को दबाएंगे तो कुंठा पैदा होगी, यदि इसे सही दिशा देंगे तो यही प्रश्न नवाचार, अनुसंधान और राष्ट्रनिर्माण की शक्ति बनेंगे। एक ही विषय के अनेक पक्ष हो सकते हैं। इसलिए बहस लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, उसकी बौद्धिक ताकत है। समस्या बहस में नहीं, बहस के हिंसक हो जाने में है, समस्या असहमति में नहीं, असहमति के नाम पर अराजकता में है। इसीलिए भागवत की बात का दूसरा पक्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण है-विरोध संविधान की मर्यादा में हो, शांतिपूर्ण हो और उसका लक्ष्य व्यक्ति को अपमानित करना नहीं, व्यवस्था में सकारात्मक परिवर्तन लाना हो। आंदोलन लोकतंत्र का अधिकार है, लेकिन लोकतांत्रिक अनुशासन के साथ। सरकार की आलोचना लोकतंत्र है, हिंसा लोकतंत्र नहीं। प्रश्न करना स्वतंत्रता है, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना स्वतंत्रता नहीं। इसलिए सरकार और आंदोलनकारी-दोनों की जिम्मेदारियां हैं। लेकिन सरकार की जिम्मेदारी अधिक बड़ी है, क्योंकि उसके पास सत्ता, प्रशासन और संस्थागत शक्ति होती है। किसी छात्र की आवाज को लाठी से दबाया जा सकता है, लेकिन उसकी आशंका को लाठी से समाप्त नहीं किया जा सकता। किसी आंदोलनकारी को राष्ट्रविरोधी कह देने से उसका प्रश्न समाप्त नहीं हो जाता। यदि उसकी मांग गलत है तो तथ्य और तर्क से उसे गलत सिद्ध किया जाए। यदि मांग सही है तो उसे स्वीकार करने में संकोच क्यों? लोकतंत्र में सरकार का सबसे प्रभावी हथियार पुलिस नहीं, संवाद है। यहां मोहन भागवत की भूमिका एक मार्गदर्शक की तरह दिखाई देती है। उन्होंने अनेक अवसरों पर केवल प्रशंसा करने के बजाय व्यापक सामाजिक हित के प्रश्न उठाए हैं। जब सत्ता या व्यवस्था किसी दिशा में आवश्यकता से अधिक आगे बढ़ती दिखाई देती है, तब एक जिम्मेदार मार्गदर्शक का दायित्व होता है कि वह उसे आत्ममंथन की ओर ले जाए। भागवत की यह भूमिका हमें महाभारत के भीष्म पितामह की याद दिलाती है-ऐसे व्यक्ति की, जो सत्ता के केंद्र में रहते हुए भी समय-समय पर धर्म, मर्यादा और व्यापक हित की याद दिलाता है। यह तुलना व्यक्ति-पूजा के लिए नहीं, बल्कि मार्गदर्शक की भूमिका की व्याख्या के लिए है। सरकारें जब जनता की आवाज समय पर सुनती हैं तो आंदोलन समस्या बनने से पहले समाधान बन सकता है। लेकिन जब शिकायतें महीनों और वर्षों तक फाइलों में पड़ी रहती हैं, जब संवाद के रास्ते बंद होते जाते हैं और जब नागरिक को लगता है कि उसकी सुनवाई नहीं होगी, तब असंतोष सड़क पर आता है।

ललित गर्ग

एक नयी शुरुआत करें

दो नन्हे बच्चे जिनकी उम्र लगभग दो साल है। एक खिलौने को लेकर दोनो के बीच छीना-छपटी हो गई । उनकी ये हरकते हम सब हंसकर देख रहे थे । दोनो के चेहरे गुस्से से लाल हो गए। वह कोई भी हारने को तैयार नही था। वह कुछ ही देर बाद फिर से दोनो साथ मिलकर खेल-कूद करने लगे। वास्तव मे बच्चे मन के सच्चे होते हैं । मैंने सोच काश ! हम सभी लोग बच्चो के समान बन जाए । मन, वचन और काया मे सरलता से रमण करे। वह कलह होने पर भी कटुता को न जमायें । इस मामले मे बड़े होकर भी, बच्चे ही बने रहना है । हम देख सकतें हैं कि जिसके दिल मे माफ करने और गलती को भूलने का भान रहता हैं , वहां कटुता सुखी रेत के समान है । वह जिसका कलह की दीवार पर चिपकना असंभव है । मैत्री भावना का सदा स्मरण हो । खामेमि सववे जीवा, सववे जीवा खमनतु मे कटुता को कभी जमने को स्थान न मिलेगा। हम कटुता को क्यों जमाये ? वह जहां दो बरतन रहते हैं उनका आपस मे टकराना तो सम्भव है। वह फिर भी हर बरतन का अपना-अपना महत्व है । वे एक ही रसोई मे साथ-साथ रहते हैं । हम मनुष्य का मन भी बर्तन के समान हैं। वह जो टकराव के बाद भी एक-दुसरे के लिए जरुरी है। हम कभी क्यों कटुता का मैल जमायें ? हमको बस ! अपनी बात मजबूती से आई-गई करनी हैं । इसकी सरल मन ही सबसे बड़ी कुंजी है । हम देख सकतें हैं कि अधिकांश लोग या तो पिछली बातों को लेकर परेशान रहते हैं या फिर अघटित भविष्य के बारें में सोचकर परेशान होते हैं । उनको ऐसी स्थिति में पिछली सारी बातें भूलकर जिन्दगी में नईं शुरुआत करने को सोचना चाहिए क्योंकि ना तो वह गुजरे कल को बदल सकतें हैं और ना आने वाले कल पर आपका कोई जोर हैं । कटुता को छोड़ बीती बातों को भूलकर हमारी नयी शुरुआत ही अच्छे इंसान की पहचान है । हम रात बीती बात बीती से अब सोच आगे बढ़े । हमारे द्वारा माधुर्य के नव बीज बो देने की , बीती ताहि बिसार देने की और मनों के उजड़े नीड़ को फिर से बसा देने की कोशिश होनी चाहिए। हमारे द्वारा अनुभूत सत्य को तर्क से काटा नही जा सकता हैं ।आचार्य श्री महाप्रज्ञ जी ने इसी आधार पर वर्षों पूर्व कहा था कि मैं आत्मा को मानता हूं , जानता नही हूं ।

› प्रदीप छाजेड़

यही वजह है कि...

कमलेश पांडेय

भारत को समय रहते ही 'अमेरिकी फितरत' को समझना पड़ेगा और एहतियाती कदम उठाने पड़ेंगे

रूस प्रतिबंध विधेयक

अमेरिकी सीनेट द्वारा पारित नए 'रूस प्रतिबंध विधेयक' ने अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति में खलबली मचा दी है क्योंकि यह विधेयक रूसी कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस का आयात करने वाले शीर्ष देशों, जिनमें भारत और चीन शामिल हैं, पर सौ प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का प्रविधान करता है। यही वजह है कि अमेरिका के सीनेट के इस कदम ने भारत-अमेरिका के भावी रिश्तों को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं।

इसलिए सवाल उठता है कि अमेरिकी सीनेट द्वारा पारित नए 'रूस प्रतिबंध विधेयक' क्या हैं? इससे कौन कौन देश प्रभावित होंगे? और इससे भारतीय गुटनिरपेक्षता का क्या हश्र होगा? तो दो टूक जवाब होगा कि हाँ—यह विधेयक भारत के लिए केवल रूस पर अमेरिकी प्रतिबंधों का मामला नहीं है; इसका बड़ा प्रश्न यह है कि क्या अमेरिका अब तीसरे देशों की विदेश एवं ऊर्जा नीति को भी अपने प्रतिबंधों के जरिए प्रभावित करने की कोशिश कर रहा है? हालांकि, अभी एक महत्वपूर्ण शेष तथ्य यह है कि अमेरिकी सीनेट ने गत 7 अगस्त 2026 को रूस प्रतिबंध विधेयक 86–11 से पारित किया है लेकिन यह अभी कानून नहीं बना है। इसे प्रतिनिधि सभा से पारित होकर राष्ट्रपति की मंजूरी भी चाहिए। आइए, अब जानते हैं कि यह नया रूस प्रतिबंध विधेयक क्या है? तो

यह जान लीजिए कि इस नए विधेयक का नाम "Lindsey O. Graham Sanctioning Russia and Iran Act of 2026" है, जिसके मुख्य प्रावधान हैं:- एक, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और रूसी नेतृत्व पर अतिरिक्त प्रतिबंध। दो, रूसी वित्तीय संस्थानों, ऊर्जा परियोजनाओं और प्रतिबंधों से बचने में मदद करने वाले "shadow fleet" पर कार्रवाई। तीन, रूस की तेल-गैस आय को कम करने के लिए उसके बड़े खरीदारों पर दबाव।

चार, सबसे विवादास्पद प्रावधान यह कि राष्ट्रपति को रूस के तेल/गैस के शीर्ष पांच खरीदार देशों से अमेरिका आने वाले सामान पर 100% तक अतिरिक्त टैरिफ लगाने का अधिकार सौंप दिया गया है। पांचवां, ध्यान देने वाली बात यह है कि पुराने प्रारूप में 500% तक टैरिफ की चर्चा थी। लेकिन जुलाई में संशोधित संस्करण में इसे 100% किया गया और राष्ट्रपति को अधिक विवेकाधिकार दिया गया।

सवाल है कि इसमें भारत के लिए सबसे बड़ा खतरा क्या है? तो जवाब होगा कि भारत सीधे रूस के खिलाफ अमेरिकी प्रतिबंधों का लक्ष्य नहीं है; लेकिन रूस का बड़ा तेल खरीदार होने के कारण भारत "secondary sanctions" के निशाने पर आ सकता है। पहले के संशोधित विधेयक में संभावित शीर्ष पांच देशों में चीन, भारत, स्लोवाकिया, हंगरी और अज़रबैजान का उल्लेख विश्लेषणों में आया था। लेकिन अंतिम कानून में देशों की कोई स्थायी सूची नहीं लिखी गई है—कौन-से देश उस समय शीर्ष पांच में आते हैं, यह परिस्थितियों पर निर्भर करेगा। इसलिए यह कहना कि "भारत पर 100% टैरिफ लग ही गया" अभी गलत होगा, बल्कि सही बात यह है कि भारत पर 100% तक अमेरिकी टैरिफ लगाने का रास्ता खोला गया है और वह भी तभी जब विधेयक आगे कानून बनता है तथा अमेरिकी राष्ट्रपति उस अधिकार का इस्तेमाल करते हैं।

तो जवाब होगा कि सबसे ज्यादा जोखिम चीन को उठाना पड़ेगा क्योंकि वह रूस का सबसे बड़ा ऊर्जा ग्राहक और अमेरिका का सबसे बड़ा रणनीतिक प्रतिद्वंद्वी है। ऐसा होने के कारण ही चीन प्रमुख निशाने पर है। जहां तक भारत की बात है तो भारत के लिए जोखिम सबसे गंभीर है क्योंकि रूस से सस्ता कच्चा तेल खरीदना भारतीय ऊर्जा सुरक्षा और महंगाई प्रबंधन का महत्वपूर्ण साधन बन चुका है।

जहां तक तुर्किये की बात है तो रूसी ऊर्जा का बड़ा खरीदार होने के कारण तुर्किये भी संभावित प्रभाव में आ सकता है। जहां तक कुछ यूरोपीय देशों की बात है तो

विशेषकर वे देश जो अभी भी रूसी ऊर्जा पर निर्भर हैं। हालांकि यूरोप में रूस से ऊर्जा निर्भरता काफी कम हुई है। जहां तक जापान तथा अन्य बड़े खरीदार देशों की बात है तो कानून का स्वरूप ऐसा है कि "शीर्ष पांच" की स्थिति समय के साथ बदल सकती है। Reuters ने भी चीन, भारत, जापान और कुछ यूरोपीय देशों को संभावित प्रभावित देशों में रखा है।

कृषि भूमि और...

डॉ0 सीमा गुप्ता

जौनपुर में 'पर ड्रॉप मोर क्रॉप' योजनाः सूक्ष्म सिंचाई से संवर रहा किसानों का भविष्य

राज्य सरकार प्रदेश के कृषि परिदृश्य को आधुनिक, सस्टेनेबल (संधारणीय) और लाभांश-केंद्रित बनाने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। इसी क्रम में, जल संसाधनों के संरक्षण और 'प्रति बूंद अधिक फसल' (पर ड्रॉप मोर क्रॉप) के राष्ट्रीय संकल्प को साकार करने के लिए सूक्ष्म सिंचाई (माइक्रो इरिगेशन) तकनीकों के विस्तार को एक जन-अभियान का रूप दिया गया है। भूजल संकट से निपटने और किसानों की आय में वास्तविक वृद्धि करने के उद्देश्य से शुरू की गई यह महत्वाकांक्षी कार्ययोजना आज राज्य की कृषि क्रांति की आधारशिला साबित हो रही है। इसी कड़ी में, प्रदेश का जौनपुर जनपद सूक्ष्म सिंचाई तकनीकों को अपनाकर कृषि विकास, जल संरक्षण और किसान कल्याण का एक उत्कृष्ट मॉडल बनकर उभर रहा है।

जौनपुर जनपद में जिला प्रशासन के कुशल निर्देशन में कृषि और बागवानी के क्षेत्र में अभूतपूर्व सकारात्मक परिवर्तन देखे जा रहे हैं। लंबे समय से पारंपरिक और जल-गहन सिंचाई तकनीकों के कारण जहां एक ओर बहुमूल्य भूजल का अत्यधिक दोहन हो रहा था, वहीं दूसरी ओर पानी के अपव्यय से किसानों की उत्पादन लागत में भी निरंतर वृद्धि हो रही थी। इस गंभीर समस्या के स्थायी समाधान के रूप में, केंद्र और राज्य सरकार की समन्वित नीतियों के अंतर्गत प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत सूक्ष्म सिंचाई प्रणालियों की स्थापना को युद्धस्तर पर प्रोत्साहित किया जा रहा है। जनपद के बक्शा, बदलापुर और बेसहूपुर जैसे विभिन्न विकास खंडों में इस दूरगामी योजना का व्यापक प्रभाव जमीनी स्तर पर स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर हो रहा है।

राज्य सरकार द्वारा इस योजना के तहत किसानों को व्यापक वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर अन्नदाता भी नवीनतम कृषि तकनीकों का निर्बाध लाभ उठा सकें। जौनपुर में ड्रिप और स्प्रिंकलर (फव्वारा) सिंचाई प्रणाली स्थापित करने के लिए लघु और सीमांत किसानों को विशेष प्राथमिकता देते हुए 45 से 55 प्रतिशत तक का भारी सरकारी अनुदान उपलब्ध कराया जा रहा है। योजना की पूर्ण पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए अनुदान की यह धनराशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से हस्तांतरित की जा रही है। इस सुलभ, भ्रष्टाचार-मुक्त और किसान-हितैषी प्रक्रिया ने जनपद के हजारों किसानों को अपनी पारंपरिक पद्धतियां छोड़कर आधुनिक सिंचाई तकनीक अपनाने के लिए प्रेरित किया है।

सूक्ष्म सिंचाई तकनीक, विशेष रूप से ड्रिप सिंचाई के माध्यम से सीधे पौधों की जड़ों तक जल की लक्षित आपूर्ति सुनिश्चित होती है। इस वैज्ञानिक पद्धति के निरंतर उपयोग से सिंचाई में जल की खपत में लगभग 40 से 50 प्रतिशत तक की प्रत्यक्ष बचत दर्ज की गई है। जौनपुर जनपद, जो अपनी उर्वर

कृषि भूमि और विविध फसल चक्र के लिए जाना जाता है, वहां जल संरक्षण की यह दिशा न केवल वर्तमान पीढ़ी के लिए बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए भी जीवनदायिनी साबित हो रही है। पानी की हर एक बूंद का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित कर जिला प्रशासन कृषि क्षेत्र में पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने का महती कार्य कर रहा है।

जरा हटके

जायद की फसल...

डॉ. मनोज चंद्रा, प्रभारी अंग्रेजी

कृषि क्षेत्रफल, उत्पादन, उत्पादकता एवं फसल सघनता में कीर्तिमान रच रहा है उत्तर प्रदेश

भारत की आत्मा गांवों में बसती है और गांवों की धुरी कृषि है। उत्तर प्रदेश, जो कि देश का सबसे अधिक आबादी वाला और प्रमुख कृषि प्रधान राज्य है, हमेशा से ही अपनी उर्वर भूमि और मेहनतकश किसानों के लिए जाना जाता रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के कुशल और दूरदर्शी नेतृत्व में उत्तर प्रदेश की डबल इंजन सरकार ने कृषि क्षेत्र में जो अभूतपूर्व कार्य किए हैं, वे अब स्पष्ट रूप से आंकड़ों के माध्यम से धरातल पर दिखाई दे रहे हैं। वर्ष 2017 से लेकर अब तक सरकार की नीतियां किसान केंद्रित रही हैं और मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में कृषि क्षेत्र में ऐतिहासिक और क्रांतिकारी बदलाव लाए गए। आज उत्तर प्रदेश कृषि क्षेत्रफल, उत्पादन, उत्पादकता और फसल सघनता के मामले में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है।

उत्तर प्रदेश सरकार ने अपने कार्यकाल में सुनिश्चित किया है कि राज्य की एक-एक इंच कृषि योग्य भूमि का सदुपयोग हो सके। किसानों को सिंचाई की समुचित व्यवस्था, समय पर बिजली और उन्नत संसाधन उपलब्ध कराने का सीधा परिणाम कृषि क्षेत्रफल में शानदार वृद्धि के रूप में सामने आया है। वर्ष 2016-17 में जहां खरीफ की फसल का क्षेत्रफल 91.45 लाख हेक्टेयर था, वहीं 2024-25 में यह बढ़कर 105.93 लाख हेक्टेयर हो गया है। खरीफ के क्षेत्रफल में यह 15.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। प्रदेश में मानसून पर निर्भरता को कम करते हुए सरकार ने सिंचाई के ऐसे पुख्ता इंतजाम किए हैं जिससे किसान पूरे उत्साह के साथ बुवाई कर रहे हैं।

इसी प्रकार, रबी की फसल के क्षेत्रफल में भी शानदार विस्तार हुआ है। वर्ष 2016-17 में रबी का क्षेत्रफल 122.23 लाख हेक्टेयर था, जो 2024-25 में बढ़कर

138.78 लाख हेक्टेयर तक पहुंच गया है। इसमें 13.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। रबी की फसलों के लिए सुनिश्चित सिंचाई और समय पर खाद-बीज की उपलब्धता ने इस वृद्धि में अहम भूमिका निभाई है।

प्रदेश में सबसे अधिक चौंकाने वाले और ऐतिहासिक आंकड़े जायद की फसल के क्षेत्रफल में देखने को मिले हैं। जायद की फसल, जो आमतौर पर गर्मियों के मौसम में बोई जाती है, एक समय में पानी की कमी और संसाधनों के अभाव के कारण बहुत सीमित थी। 2016-17 में यह केवल 1.93 लाख हेक्टेयर तक सिमटी हुई थी। लेकिन योगी सरकार के प्रयासों से वर्ष 2024-25 में जायद का क्षेत्रफल बढ़कर 12.93 लाख हेक्टेयर हो गया है। इसमें 570 प्रतिशत की अकल्पनीय और ऐतिहासिक वृद्धि हुई है। वर्तमान सरकार द्वारा किसानों को दी जा रही विभिन्न सुविधाओं का ही परिणाम है कि उत्तर प्रदेश का किसान साल भर अपनी जमीन का उपयोग कर रहा है। कुल योग की बात करें तो 2016-17 में कुल कृषि क्षेत्रफल 215.61 लाख हेक्टेयर था, जो 2024-25 में 19.5 प्रतिशत की शानदार वृद्धि के साथ 257.64 लाख हेक्टेयर के जादुई आंकड़े को पार कर चुका है।

क्षेत्रफल बढ़ने के साथ-साथ उत्तर प्रदेश की सरकार ने कृषि उत्पादकता को बढ़ाने के लिए जो वैज्ञानिक पद्धतियां और उन्नत बीज किसानों तक पहुंचाए हैं, उससे उत्पादन के आंकड़े भी नई ऊंचाइयों पर पहुंच गए हैं। उत्पादन वृद्धि के आंकड़े सरकार की सफलता की सबसे मजबूत गवाही देते हैं।

खरीफ की फसल का उत्पादन वर्ष 2016-17 में 181.75 मीट्रिक टन था, जो योगी सरकार की किसान हितकारी नीतियों के चलते 2024-25 में 45 प्रतिशत की विशाल वृद्धि के साथ 263.09 मीट्रिक टन हो गया है। इसी तरह रबी की फसल का उत्पादन, जो 2016-17 में 388.3 मीट्रिक टन था, वह 2024-25 में 24 प्रतिशत की छलांग लगाते हुए 479.61 मीट्रिक टन के स्तर पर पहुंच गया है।

जायद की फसल के उत्पादन में तो उत्तर प्रदेश ने पूरे देश के सामने एक ऐसा मॉडल पेश किया है जो बेमिसाल है। वर्ष 2016-17 में जायद का उत्पादन मात्र 2.7 मीट्रिक टन हुआ करता था, जो अब 2024-25 में 1041 प्रतिशत की विशाल और अभूतपूर्व वृद्धि के साथ 30.81 मीट्रिक टन का उत्पादन कर रहा है। एक हजार प्रतिशत से अधिक की यह वृद्धि स्पष्ट करती है कि किसानों की मेहनत और सरकार के समर्थन का यह सर्वश्रेष्ठ तालमेल है। सभी फसलों के कुल उत्पादन के दृष्टिगत 2016-17 में राज्य का कुल कृषि उत्पादन 572.75 मीट्रिक टन था, जो 2024-25 में 35 प्रतिशत की समग्र वृद्धि के साथ 773.51 मीट्रिक टन हो गया है। यह उत्तर प्रदेश को देश का सबसे मजबूत कृषि राज्य बनाने की दिशा में एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। फसल सघनता किसी भी राज्य की कृषि प्रगति को मापने का सबसे सटीक पैमाना होता है। इसका सीधा अर्थ यह है कि एक ही कृषि भूमि पर एक वर्ष में कितनी बार फसलें उगाई जा रही हैं। यह आंकड़ा तभी बढ़ता है जब किसानों के पास साल भर सिंचाई की सुविधा हो, उन्नत मशीनरी हो और उन्हें उनकी फसल का सही दाम मिलने का भरोसा हो। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने इस दिशा में भी महत्वपूर्ण कार्य किया है। वर्ष 2016-17 में उत्तर प्रदेश की फसल सघनता 163 प्रतिशत थी जबकि वर्तमान सरकार की अथक मेहनत, सिंचित क्षेत्र के विस्तार, नहरों के कायाकल्प, और किसानों को 24 घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति की वजह से वर्ष 2023-24 में यह फसल सघनता बढ़कर 182 प्रतिशत हो गई है। कुल 19 प्रतिशत की यह वृद्धि कोई सामान्य आंकड़ा नहीं है; यह इस बात का प्रतीक है कि उत्तर प्रदेश का किसान अब एक साल में दो या उससे अधिक फसलें पूरी सफलता के साथ ले रहा है।

बेटी को स्कूल से ला रहे पिता नहर में बहे

पुलिया से टकराकर गिरे, 2 घंटे बाद पहुंची एसडीआरएफ को 20 मीटर दूर मिला शव

विरोध

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के मानकनगरमें एक पिता की सोमवार को नहर में डूबने से मौत हो गई। वह बाइक से बेटी को स्कूल से लेकर घर लौट रहे थे। डीआरएम ऑफिस के पास अचानक सामने से ट्रक आ गया, बाइक बेकाबू होकर पुलिया से टकरा गई। इससे वह उछलकर नहर में गिर गए। बेटी उछलकर बाहर गिरी। देखते देखते पिता नहर में बह गए। सूचना पर करीब 2 घंटे बाद पहुंची SDRF ने उनका शव बरामद किया। मृतक की पहचान कृष्णनगर खुशी विहार निवासी रवि कुशवाहा (41) के रूप में हुई। वह LIC एजेंट थे। उनके परिवार में पत्नी सुनीता कुशवाहा और दो बच्चे हैं। बेटी वंशिका (8) अवध कॉलेजिएट स्कूल में पढ़ती है। उसी को लेकर वह लौट रहे थे। वंशिका को मामूली चोट लगी है। घटना से गुस्साए पार्षद धरने पर बैठ गए। SDRF की तलाश में रवि नहर में हादसे की जगह से करीब 20 मीटर दूरी पर मिले। उनका शव झाड़ियों में फंसा था। पुलिस ने बॉडी को अस्पताल भेजा, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी मानक नगर अजीत कुमार का कहना है कि सूचना पर पुलिस समय से पहुंच गई थी। तत्काल एसडीआरएफ को बुलाया गया। उसके बाद रेस्क्यू अभियान चलाकर शव बरामद कर लिया गया। वह नहर में कैसे गिरे, इसकी जांच की जा रही है।

रवि कुशवाहा, मृतक

पुलिस ने कहा- हमारे पास गोताखोर नहीं हैं

घटना करीब सुबह 11 बजे की बताई जा रही है। हादसे के बाद लोगों ने तत्काल 112 पर सूचना दी। आरोप है कि मौके पर पहुंची पुलिस ने कहा कि उनके पास गोताखोर नहीं हैं। इसके अलावा घटनास्थल को दूसरे थाने का बताया। इस पर स्थानीय लोग नाराज हो गए।

सामने से ट्रक आने से बिगड़ा संतुलन

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, रवि बाइक मोड़ रहे थे। इसी दौरान सामने से अचानक ट्रक आ गया। इससे वह घबरा गए और बाइक का संतुलन बिगड़ गया। बताया जा रहा है कि इसी दौरान ब्रेक के साथ एक्सीलेटर भी दब गया, जिससे बाइक तेजी से आगे बढ़ी और पुलिया के पास टूटे पत्थरों वाले हिस्से से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि रवि उछलकर शारदा नहर के ब्रांच नहर में जा गिरे। उन्होंने बाहर निकलने की काफी कोशिश की। हाथ-पैर चलाते रहे, लेकिन 6 फीट गहरी नहर में तेज बहाव के कारण डूब गए। झटके से वंशिका सड़क की ओर गिर गई, जबकि बाइक पुलिया के पास जा गिरी। बेटी वंशिका ने बताया कि सामने से सर्विस लेन पर एक ट्रक आ रहा था, जिसे देखकर पिता ने अचानक से अगला ब्रेक मारी और बाइक स्लिप होकर पुलिया के पत्थर से टकरा गई। पिता सीधे नहर में चले गए। वह बाइक सहित सड़क पर रह गई।

घटना से आक्रोशित लोग और केसरी खेड़ा वार्ड के पार्षद देवेंद्र सिंह जीतू आधे घंटे तक रोड पर धरने पर बैठ गए। तहसीलदार, डीआरएम पीआरओ और इंस्पेक्टर मानक नगर मौके पर पहुंचे। पार्षद और स्थानीय लोगों को समझा-बुझाकर धरने को खत्म कराया। इस दौरान आवागमन प्रभावित रहा।

महिला पहलवान ने पुरुष पहलवान को पटखनी दी

मेयर ने शुरू कराया 309 साल पुराना दंगल

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर । कानपुर में सावन के दूसरे सोमवार पर जागेश्वर धाम के करीब तीन सदी पुराने अखाड़े में 309वें दंगल का आगाज हुआ। कानपुर की मेयर ने दोपहर 3:30 बजे दंगल की शुरुआत की। दंगल में अलग-अलग 55 मुकाबले हुए। महिला पहलवानों के बीच 6 मुकाबले हुए।

सबसे दिलचस्प मुकाबला दिल्ली से आई महिला पहलवान पूनम और बांदा से आए पहलवान जय सिंह के बीच हुआ। दोनों के बीच तीन मिनट से ज्यादा कुश्ती हुई। आखिर के 13 सेकंड में पूनम पहलवान ने जय सिंह को 3 बार लगातार पटखनी देकर मुकाबला जीत लिया।

महिला पहलवान पूनम ने बांदा के पुरुष पहलवान जय सिंह को हराया है। दिल्ली की रहने वाली पूनम बचपन से पहलवानी कर रही हैं। स्टेट लेवल की कुश्ती में हिस्सा ले चुकी हैं।

पूनम को इस कुश्ती के लिए पहले से तय रकम 11 हज़ार रुपए और आयोजन समिति की ओर से अलग से 5 हजार रुपए का इनाम मिला। सपा से कल्याणपुर पूर्व विधायक सतीश निगम ने बताया कि 20 साल से दंगल में बाबर आ रहे हैं। 309 साल पुराने इस ऐतिहासिक दंगल में देश- विदेश से पहलवान आते हैं। उन्होंने कहा कि राजनीति और दंगल में एक ही तरह के पैतरे आजमाए जाते हैं। दांव-पेंच में ऐसे ही होते हैं। देश में एक अलग तरह का दंगल चल रहा है।

फास्ट न्यूज

बंद मकान में 21 मिनट में 80 लाख की चोरी

लखनऊ । लखनऊ के जानकीपुरम के जानकी विहार में चोरों ने रिटायर्ड शिक्षक के बंद मकान को निशाना बनाया। बदमाशों ने महज 21 मिनट में घर के ताले तोड़कर करीब 80 लाख रुपए के जेवर और ढाई लाख रुपए नकद चोरी कर लिए। घटना 29 जुलाई की रात की है। पड़ोस में लगे सीसीटीवी कैमरे में बाइक सवार दो बदमाश घर में घुसते और बाहर निकलते दिखाई दिए हैं।

काकोरी में मारपीट के आरोपी ने दरोगा को घायल किया

दुबग्गा। काकोरी थाने की पुलिस टीम पर हमले के वांछित आरोपी ने एसयूवी चढ़ाने की कोशिश की। इस दौरान केस के विवेचक दरोगा अमित चौधरी घायल हो गए। दरोगा अपनी टीम के साथ आरोपी को पकड़ने गए थे। आरोपी ने पुलिस टीम को आते देखा तो अपनी एसयूवी गाड़ी से पुलिस की गाड़ी में टक्कर मार दी और भाग गया। इस टक्कर में टीम को लीड कर रहे आरोपी के विवेचक दरोगा घायल हो गए। दरोगा को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने आरोपी के मौसेरे भाई को हिरासत में ले लिया है।

लखनऊ में आधी रात हाईटेंशन टावर पर चढ़ा व्यक्ति

दुबग्गा। लखनऊ में एक 50 साल का व्यक्ति आधी रात हाईटेंशन (33 हजार वोल्ट) टावर पर चढ़ गया। इसकी सूचना पुलिस को मिली तो पुलिस टीम अपने साथ SDRF की टीम भी लेकर पहुंची। करीब 3 घंटे तक उसे समझाते रहे तब वह नीचे उतरा। व्यक्ति का कहना था कि उसकी पत्नी शराब खरीदने के लिए पैसे नहीं दे रही है।

आईटीआई में प्रवेश के लिए विकल्प परिवर्तन का मौका

15 अगस्त तक खुला रहेगा पोर्टल

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता विभाग के विशेष सचिव/ अधिशासी निदेशक एस.सी.वी.टी. अभिषेक सिंह ने बताया कि प्रदेश के राजकीय/निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आई.टी.आई.) में संचालित व्यवसायों, टाटा टेक्नोलॉजी के सहयोग से 211 राजकीय संस्थानों में संचालित 10 दीर्घकालीन व्यवसायों एवं पीपीपी मॉडल पर संचालित राजकीय संस्थानों के विभिन्न व्यवसायों में प्रशिक्षण हेतु विकल्प परिवर्तन (संस्थान/व्यवसाय) के लिए एससीवीटी पोर्टल खोला गया है।

उन्होंने बताया कि सर्वसाधारण के लिए दिनांक 09-08-2026 से दिनांक 12-08-2026 तक विकल्प परिवर्तन हेतु पोर्टल खोला गया है।

साथ ही अभ्यर्थियों के हित को ध्यान में रखते हुए वेबसाइट http://www.scvtup.in पर नवीन ऑनलाइन आवेदन/पंजीकरण एवं विकल्प परिवर्तन (संस्थान/व्यवसाय) हेतु दिनांक 15-08-2026 रात्रि 12.00 बजे तक एससीवीटी पोर्टल खुला रहेगा। इसके पश्चात आवेदन/पंजीकरण/विकल्प परिवर्तन के लिए कोई अवसर प्रदान नहीं किया जाएगा। ऑनलाइन आवेदन में सहायता हेतु विवरणी (दिशा-निर्देश) ई-फॉर्म में वेबसाइट www.scvtup.in पर उपलब्ध है।

चिनहट में गोदाम की दीवार गिरी

लखनऊ । लखनऊ के चिनहट में महात्मा गांधी अस्पताल के पास सोमवार दोपहर एक गोदाम की दीवार अचानक भरभराकर गिर गई। दीवार की चपेट में आने से वहां बाल-दाढ़ी बनवा रहे एक व्यक्ति और नाई घायल हो गए। दोनों को इलाज के लिए महात्मा गांधी अस्पताल ले जाया गया, जहां से डॉक्टरों ने उन्हें लोहिया अस्पताल रेफर कर दिया। हादसे में मौके पर खड़ी एक बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस के मुताबिक, घटना सोमवार दोपहर की है। महात्मा गांधी अस्पताल के पास आरएस ट्रेडर्स नाम से जूट के बोरों का गोदाम है। गोदाम के सामने खाली जगह में तकरोही निवासी जुबेर (42) कुर्सी-मेज लगाकर बाल काटने का काम करता है। सोमवार को बुद्ध विहार कॉलोनी निवासी भगवान दीन (55) जुबेर के पास बाल और दाढ़ी कटवाने पहुंचे थे। दोनों के बाल-दाढ़ी कटवाने के दौरान ही अचानक गोदाम की दीवार भरभराकर गिर गई। मलबे की चपेट में आने से जुबेर और भगवान दीन दोनों घायल हो गए।

पुलिस की बैरिकेडिंग के पास धरने पर बैठे, बोले- काम के घंटे नहीं, सुविधाएं बढ़ाई जाएं

किसान-मजदूर संगठनों का पुलिस से नोकझोंक

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में सोमवार को दोपहर 2:15 बजे परिवर्तन चौक पर विरोध प्रदर्शन हुआ। महिलाओं और किसानों से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर केंद्रीय श्रम संगठनों और संयुक्त किसान मोर्चा ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने सरकार पर श्रमिक विरोधी नीतियां अपनाने, निजीकरण को बढ़ावा देने, महंगाई बढ़ाने और किसानों की समस्याओं की अनदेखी करने का आरोप लगाया। कहा कि काम के घंटे नहीं सुविधाएं बढ़ाई जाएं। किसानों को कागजों में नहीं हकीकत में लाभ दिए जाएं। प्रदर्शनकारी परिवर्तन चौक पर जुटे और वहां से जनभवन कूच करने की कोशिश की। पुलिस ने केडी सिंह बाबू स्टेडियम के पास बैरिकेडिंग लगा कर उन्हें रोक लिया। प्रदर्शनकारी जनभवन जाकर राज्यपाल को ज्ञापन सौंपने की मांग पर अड़ गए। इससे करीब आधे घंटे तक उनकी पुलिस से तीखी नोकझोंक हुई। प्रदर्शनकारी पुलिस की बैरिकेडिंग के पास ही धरने पर बैठ गए। उसके बाद अधिकारियों ने उनसे ज्ञापन लेकर धरना खत्म करवाया।

निजीकरण का विरोध किया

प्रदर्शनकारियों ने निजीकरण के मुद्दे पर भी सरकार को घेरा। उनका कहना था कि सरकारी संस्थानों और सार्वजनिक सेवाओं के निजीकरण का सीधा असर मजदूरों और आम जनता पर पड़ रहा है। निजीकरण से रोजगार की सुरक्षा और श्रमिकों के अधिकार कमजोर हो रहे हैं। निजीकरण की वजह से ठेका कंपनियों को तो फायदा हो रहा है मगर कर्मचारियों का शोषण बढ़ जाता है।

प्रदर्शनकारियों ने परिवर्तन चौक से जनभवन के लिए पैदल कूच किया।

किसानों की समस्याएं गिनाईं

किसान नेता कमलेश यादव ने कहा कि हम किसानों की समस्याओं को लेकर लंबे समय से लड़ाई लड़ रहे हैं। बिजली, डीजल-पेट्रोल, खाद, बीज और अन्य कृषि संसाधनों की बढ़ती कीमतों के कारण खेती की लागत लगातार बढ़ रही है। किसानों को समय पर बीज और जरूरी संसाधन उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं। विभिन्न परेशानियों के कारण किसानों का मनोबल गिर रहा है। सत्ता में बैठे हुए लोग सिर्फ कागजों पर किसानों का भला करते हैं। जमीन पर किसी भी किसान को 1 का लाभ नहीं मिल रहा है। अगर स्थितियों में सुधार नहीं हुआ तो प्रदेश भर के किसान सड़क पर उतरने पर मजबूर होंगे।

ओटीएस से पुराने कर बकाए का होगा समाधान, शहरों के विकास को मिलेगी नहीं गति : ए के शर्मा

762 नगरीय निकायों में संपत्ति कर के बकायेदारों के लिए ओटीएस योजना लागू

- ब्याज एवं सरचार्ज पर 100 प्रतिशत छूट, करदाताओं को तीन किस्तों में भुगतान की सुविधा
- 15 अगस्त से 15 दिसंबर 2026 तक चलेगी एकमुश्त समाधान योजना

ओटीएस योजना से करदाताओं को राहत और नगरीय निकायों को आर्थिक मजबूती मिलेगी

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए. के. शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश के नगरीय निकायों में लंबित संपत्ति कर (गृहकर, जलकर एवं सीवरकर) की प्रभावी वसूली, करदाताओं को व्यावहारिक राहत प्रदान करने, न्यायालयीय विवादों में कमी लाने तथा नगरीय निकायों की वित्तीय स्थिति को और मजबूत करने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने प्रदेश के सभी 762 नगरीय निकायों में एकमुश्त समाधान योजना (OTS) लागू करने का निर्णय लिया है। योजना के अंतर्गत प्रदेश के 17 नगर निगम, 200 नगर पालिका परिषद और 545 नगर पंचायतों में लंबित संपत्ति कर के बकायेदारों को लाभ मिलेगा। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए. के. शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार नगरीय निकायों को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ आम नागरिकों को बेहतर नगरीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार कार्य कर रही है। OTS योजना इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इससे लंबे समय से लंबित कर बकाये का समाधान होगा और करदाताओं को भी एकमुश्त आर्थिक बोझ से राहत मिलेगी। मंत्री ए. के. शर्मा ने कहा कि इस योजना से करदाताओं को अपने पुराने बकाये का निस्तारण करने का सरल और राहतपूर्ण अवसर मिलेगा। साथ ही नगरीय निकायों को लंबे समय से लंबित राजस्व की प्रभावी एवं समयबद्ध वसूली हो सकेगी।

प्रदेश के 762 नगरीय निकायों में संपत्ति कर के बकायेदारों के लिए ओटीएस योजना लागू

व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाएगा

शर्मा ने बताया कि एकमुश्त समाधान योजना की अवधि चार माह निर्धारित की गई है और इसका क्रियान्वयन 15 अगस्त 2026 से 15 दिसंबर 2026 तक किया जाएगा। नगरीय निकायों द्वारा 15 अगस्त से 14 सितंबर 2026 के मध्य सभी संबंधित करदाताओं एवं हितधारकों को योजना की जानकारी उपलब्ध कराने के साथ ही व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाएगा, जिससे अधिक से अधिक पात्र करदाता योजना का लाभ उठा सकें।

करदाताओं को राहत देने के उद्देश्य से सरकार ने OTS के अंतर्गत बकाया संपत्ति कर के भुगतान के लिए अधिकतम तीन किस्तों की सुविधा भी प्रदान की है। करदाता को योजना लागू होने की तिथि से 30 दिन के भीतर कुल बकाये की एक-तिहाई धनराशि जमा करनी होगी तथा शेष दो-तिहाई धनराशि अगले दो माह में दो मासिक किस्तों के माध्यम से जमा की जा सकेगी। इस प्रकार योजना के अंतर्गत देय संपूर्ण धनराशि का भुगतान अधिकतम तीन माह की अवधि में अनिवार्य रूप से पूरा करना होगा।

सभी मदरसों में मनाया जाएगा हर घर तिरंगा अभियान : दानिश आजाद

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री, (अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ एवं हज विभाग) दानिश आजाद अंसारी ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के आह्वान तथा मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में चलाए जा रहे 'हर घर तिरंगा' अभियान को प्रदेश के सभी मदरसों तक पहुंचाने के लिए प्रमुख सचिव, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करने के निर्देश दिए हैं।

राज्यमंत्री ने कहा कि 'हर घर तिरंगा' अभियान केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति सम्मान, गौरव, एकता और अखंडता की भावना को मजबूत करने वाला जन अभियान है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने देशवासियों से इस अभियान से जुड़ने का आह्वान किया है, जिसे मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के कुशल नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में व्यापक जनभागीदारी के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है।

उन्होंने निर्देश दिए कि प्रदेश के सभी मदरसों में छात्र-छात्राओं युवाओं को अभियान से जोड़ा जाए तथा तिरंगा फहराने, राष्ट्रगान, देशभक्ति से जुड़े कार्यक्रमों और स्वतंत्रता संग्राम के महान सेनानियों के योगदान पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं।

दानिश आजाद अंसारी ने कहा कि 'हर घर तिरंगा' अभियान के माध्यम से मदरसों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों में देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और संवैधानिक मूल्यों के प्रति सम्मान की भावना और मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि तिरंगा हमारी आन, बान और शान का प्रतीक है।

रोक : ब्राउन हॉल में हड़ताल करने पहुंचे, बाहर से ही लौटाया गया, वीसी ने समस्या सुनी

केजीएमयू में इंटर्न का स्टाइपेंड बढ़वाने के लिए प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (KGMU) कैंपस में इंटर्न डॉक्टरों ने आज स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। इंटर्न्स प्रशासनिक भवन से पैदल मार्च कर गेट नंबर 1 पहुंचे। उनका शहीद स्थल तक मार्च करने का प्लान था, पर पुलिस ने आगे जाने से रोक दिया।

इसके बाद इंटर्न डॉक्टर वापस प्रशासनिक भवन पहुंचे। थोड़ा देर बाद ब्राउन हॉल में कुलपति से इंटर्न डॉक्टरों की मुलाकात कराई गई। वार्ता के दौरान कुलपति ने उनकी मांगों को शासन तक ले जाने का भरोसा दिया।

इंटर्न्स का कहना है कि उत्तर प्रदेश के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में मिलने वाला इंटर्नशिप स्टाइपेंड AIIMS और SGPGI की तुलना में काफी कम है। उनका कहना है कि जब छात्र समान तरह का काम करते हैं तो उन्हें समान स्टाइपेंड मिलना चाहिए। छात्रों ने वर्तमान स्टाइपेंड में जल्द बढ़ोतरी की मांग की है। प्रदर्शन के दौरान छात्रों में अपनी मांगों को लेकर नाराजगी दिखाई दी। अधिकारियों ने छात्रों को उनकी मांगें शासन और संबंधित उच्च अधिकारियों तक पहुंचाने का आश्वासन दिया। इसके बाद मरीजों की देखभाल और पढ़ाई प्रभावित न हो, इसे देखते हुए छात्रों ने आंदोलन को फिलहाल दो सप्ताह के लिए स्थगित कर दिया।

इंटर्न्स का कहना है कि मेडिकल शिक्षा पूरी करने के बाद अस्पतालों में इंटर्नशिप के दौरान उन्हें मरीजों की देखभाल और अस्पताल की सेवाओं में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभानी पड़ती हैं। ऐसे में इंटर्नशिप स्टाइपेंड को उनकी जिम्मेदारियों और वर्तमान परिस्थितियों के अनुरूप बढ़ाया जाना चाहिए।

24 जुलाई को भी किया था प्रदर्शन

इससे पहले 24 जुलाई को इंटर्न्स ने KGMU में छात्रों ने डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. रश्मि कुशवाहा, डॉ. भास्कर अग्रवाल और डीन पैरामेडिकल डॉ. केके सिंह से मुलाकात कर मांगों का ज्ञापन सौंपा था। इसी तरह लोहिया संस्थान और ASMC जौनपुर समेत प्रदेश के अन्य मेडिकल कॉलेजों के MBBS छात्रों ने भी अपने-अपने प्राचार्यों को ज्ञापन देकर मांगें राज्य सरकार तक पहुंचाने का अनुरोध किया था।

ब्राउन हॉल के अंदर इंटर्न्स से VC डॉक्टर सोनिया नित्यानंद ने वार्ता की।

दिव्यांगजन रोजगार अभियान 3.0 को मिला विस्तार

13 अगस्त तक जारी रहेगा अभियान

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के तत्वावधान में विशेष रूप से दिव्यांगजनों को सशक्त और स्वावलंबी बनाने के उद्देश्य से आयोजित किए जा रहे 'दिव्यांगजन रोजगार अभियान-3.0' की समय-सीमा बढ़ा दी गई है।

पूर्व में 3 अगस्त से 10 अगस्त 2026 तक निर्धारित इस अभियान की तिथि को जनहित में विस्तार देते हुए अब 13 अगस्त 2026 तक संचालित करने का निर्णय लिया गया है। मिशन निदेशक पुलकित खरे ने बताया कि इस महत्वपूर्ण पहल का मुख्य उद्देश्य निर्धारित रोजगार लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति करना तथा प्रदेश के अधिक से अधिक दिव्यांग युवाओं को रोजगार व स्वरोजगार के अवसरों से जोड़कर लाभान्वित करना है। अभियान को मिल रहे सकारात्मक रुझान और आवेदनकर्ताओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए समय-सीमा का विस्तार किया गया है। अभियान के अंतर्गत संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों एवं जिला स्तरीय टीमों को निर्देशित किया गया है कि वे विस्तारित तिथि तक कार्यक्रम का सुचारू और प्रभावी संचालन सुनिश्चित करें। इसके माध्यम से विभिन्न निजी एवं कौशल विकास से जुड़ी कंपनियों व संस्थानों के सहयोग से दिव्यांग अभ्यर्थियों को उनकी योग्यता और रुचि के अनुसार सीधे रोजगार के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। मिशन निदेशक ने प्रदेश के सभी पात्र एवं इच्छुक दिव्यांगजनों से अपील की है कि वे बढ़ाई गई अवधि का अधिकतम लाभ उठाएं और 13 अगस्त तक अपने पंजीकरण एवं साक्षात्कार की प्रक्रिया पूर्ण कर योजना से जुड़ें।

झांसी में 9 साल की बच्ची से छेड़छाड़ का आरोप था, एक दिन पहले पुलिस ने किया था गिरफ्तार

थाने में पुजारी ने फांसी लगाई

हंगामा

तमसा संकेत, एजेंसी

झांसी । झांसी में 62 साल के पुजारी ने थाने के टॉयलेट में फंदे से लटककर जान दे दी। सोमवार सुबह करीब 6 बजे पुलिसकर्मियों ने उन्हें फंदे से लटका देखा। पुलिसकर्मियों ने तत्काल नीचे उतारा और अस्पताल पहुंचाया। हालत गंभीर होने पर पुजारी को झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

घटना जिला मुख्यालय से करीब 70 किमी दूर गुरसराय थाने की है। पुलिस के मुताबिक, 9 साल की बच्ची से छेड़छाड़ के आरोप में पुजारी को रविवार दोपहर करीब 12.30 बजे पूछताछ के लिए

राजेंद्र प्रसाद द्विवेदी, मृतक

हिरासत में लिया गया था। उधर, पुजारी की मौत की सूचना मिलते ही परिजनों ने थाने में हंगामा शुरू कर दिया। परिजनों ने पुजारी को झूठे केस में फंसाने का आरोप लगाया। उनका कहना है कि पुजारी आरोप सहन नहीं कर पाए। पुजारी की मौत के बाद गांव में तनाव है। स्थिति को देखते हुए गांव में पीएसी और पुलिस बल तैनात किया गया है। गुरसराय थाना क्षेत्र के सिंगार गांव के रहने वाले राजेंद्र प्रसाद मंदिर के पुजारी थे। उनके तीन बेटे और एक बेटी रजनी है। दोनों बेटों और बेटी की शादी हो चुकी है। बड़े बेटे विनय ने बताया- हमारे गांव में राधा-कृष्ण का मंदिर है। मंदिर की करीब 8 बीघा जमीन है। हमारे परिवार की तीन पीढ़ियां मंदिर में पूजा करती आ रही हैं। अभी पिता और मैं पूजा करते थे। विनय ने बताया- गांव के कुछ लोग हमें मंदिर से हटाना चाहते हैं। हमारे दो घर हैं। एक में हम लोग रहते हैं और दूसरे घर में जानवर बांधते हैं।

पुलिस पुजारी को थाने ले गई

विनय ने बताया- दोपहर करीब 12:30 बजे उन लोगों ने डायल-112 पर फोन कर पुलिस बुला ली। पुलिस पिता को थाने ले गई। हम लोग थाने पहुंचे तो पहले उनसे मिलने नहीं दिया गया। शाम करीब 7 बजे हमें पिता से मिलने दिया गया। रात करीब 10:30 बजे थाने में उन्हें खाना खिलाकर हम घर आ गए। उस समय पिता कह रहे थे कि वह निर्दोष हैं। विनय के मुताबिक, सोमवार सुबह करीब 7:30 बजे मैं चाय लेकर थाने गया तो पिता वहां नहीं थे। पुलिस ने बताया कि उन्हें पथरी, गैस और सांस लेने में दिक्कत हो रही थी, इसलिए सुबह करीब 6 बजे अस्पताल भेज दिया गया है। करीब एक घंटे बाद पुलिसवालों ने हमें बताया कि पिता बाथरूम गए थे और वहां लुंगी से फंदा लगा लिया। इसके बाद हम लोग मेडिकल कॉलेज पहुंचे तो बताया गया कि उनका इलाज चल रहा है। थोड़ी देर बाद पुलिस उनकी लाश लेकर जाने लगी, तभी हमें पता चला कि उनकी मौत हो चुकी है।

पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा।

बेटे का आरोप- पिता पर दबाव बनाया गया

पिता की लाश देखकर बेटा विनय रोने-चिल्लाने लगा और हंगामा करने लगा। वह पुलिस से कहने लगा, हमें बताना तो चाहिए था। हमें लाश दिखाई और कहा कि अभी इलाज चल रहा है। हमें धोखे में क्यों रखा? बताना तो चाहिए था कि मौत हो गई है। इंस्पेक्टर ने विनय को समझाया और सांत्वना देकर शांत कराया। विनय ने कहा- पिता की उम्र 62 साल थी। इस उम्र में उन पर झूठा आरोप लगाया गया। वह इसे सहन नहीं कर पाए। हम लोगों ने पहले ही कहा था कि आरोप झूठे हैं, लेकिन गांव वालों ने दबाव बनाकर पुलिस से पिता को गिरफ्तार करा दिया।

शरीर के 12 टुकड़े कर ट्रॉली बैग में भरे तेजाब से जलाया

सीसीटीवी में दिखे संदिग्ध, आगरा में ट्रेन में मिला था

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा । आगरा में तमिलनाडु एक्सप्रेस में मिले ट्रॉली बैग में मानव शरीर के 12 टुकड़े थे। 72 घंटे बाद आई पोस्टमार्टम के अनुसार, हत्या करने के बाद शव को कटर से काटा गया। उसके छोटे-छोटे टुकड़े किए। इसके बाद इन टुकड़ों को बैग में भर दिया। हाथ-पैर और पसलियों को तेजाब से जलाया था।

इसके बाद ट्रेन की जनरल बोगी में रख दिया। ये टुकड़े महिला के हैं या पुरुष के, इसके लिए फोरेंसिक टीम ने DNA सैंपल लिए हैं। वहीं रेलवे पुलिस को चेन्नई रेलवे स्टेशन पर लगे एक CCTV में संदिग्ध लड़का-लड़की दिखे हैं। उनके हाथ में सेम यही बैग दिख रहा है। पुलिस अब दोनों की तलाश कर रही है। दरअसल, 5 अगस्त को तमिलनाडु एक्सप्रेस में लाश के टुकड़ों से भरा ट्रॉली बैग मिला था।

बैग से खून चूते हुए बाहर निकल रहा था। इसे देखते ही एक यात्री चिल्लाने लगा। इसके बाद बाकी यात्रियों ने रेलवे पुलिस को सूचना दी। ट्रेन चेन्नई से नई दिल्ली जा रही थी। बैग से मिले मानव अंगों का डॉक्टरों और फोरेंसिक विशेषज्ञों के पैनल ने पोस्टमार्टम किया। करीब 72 घंटे बाद आई रिपोर्ट में सामने आया कि शव को किसी धारदार कटर से काटकर 12 हिस्सों में बांटा गया था। डॉक्टरों के अनुसार, बरामद अंग पूरे शरीर का लगभग एक-तिहाई हिस्सा हैं। आशंका है कि शव के बाकी हिस्सों को भी आरोपियों ने कहीं और ठिकाने लगा दिया।

फास्ट न्यूज

एयरगन से छात्र की मौत में 5 दोस्तों पर एफआईआर

आगरा। आगरा में एयरगन की गोली लगने से 12वीं के छात्र की मौत हो गई। छात्र शनिवार शाम करीब 5 बजे ट्यूशन पढ़ने के लिए पड़ोस के निर्माणाधीन मकान में गया था। वहां जंगली जानवरों से बचाव के लिए एयरगन रखी थीं। गोली छात्र के प्राइवेट पार्ट में लगी। वह गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। इस मामले में मृतक के पिता ने अब छात्र के 5 दोस्तों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराया है।

'पहचान उजागर होने के डर से चचेरे भाई को मारा'

कानपुर। साढ़ के देवसढ़ गांव में वैन चालक मुमताज के हत्यारोपी वेटर आशीष उर्फ काशी को मुठभेड़ के बाद सोमवार को पुलिस ने जेल भेज दिया है। पूछताछ में आशीष ने बताया कि वह लूट के इरादे से मुमताज के घर में घुसे थे। पिटाई के दौरान मुमताज बेहोश हो गया था। पहचान उजागर न हो, इसलिए लूटपाट करने के बाद रानू ने उसपर कई बार डंडे से वार किया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने घटना का खुलासा करते हुए बताया मुमताज का हत्यारोपी चचेरा भाई रानू फजलगंज स्थित एक होटल में वेटर का काम करता था, जहां उसकी मुलाकात दलेलपुर गांव निवासी आशीष और हमीरपुर निवासी धर्मेंद्र से हुई थी।

वाटर लाइन में सीवर का पानी आने पर फूटा गुस्सा

कानपुर। कानपुर के जूही क्षेत्र में पिछले एक साल से दूषित जलापूर्ति की समस्या को लेकर लोगों का गुस्सा सोमवार को सड़क पर उतर आया। पार्षद शालू सुनील कनौजिया ने महिलाओं के साथ जूही बारा देवी चौराहे पर गंदा और काला पानी लेकर गड्ढे में उतरकर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान स्थानीय लोगों ने जल निगम और नगर निगम के खिलाफ नारेबाजी करते हुए जल्द समाधान की मांग उठाई।

महिला सिपाही ने जान दी, लव-मैरिज की थी

इटावा में पति के साथ शॉपिंग करके लौटी

तमसा संकेत, एजेंसी

इटावा । इटावा में 32 साल की महिला सिपाही ने जहर खाकर जान दे दी। रविवार शाम वह पति के साथ शॉपिंग करने गई थी। घर लौटने के बाद दोनों में किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया। इसके बाद महिला सिपाही ने जहर खा लिया। इससे उसकी हालत बिगड़ गई। पति उसे अस्पताल लेकर पहुंचा। वहां रात 10 बजे इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सिपाही प्रियंका सहारनपुर की रहने वाली थी। उसने 4 साल पहले रजत से लव-मैरिज की थी। वह 2019 में पुलिस में भर्ती हुई थी। फिलहाल, सैफई थाने में तैनात थी। मामला पुलिस लाइन के आवासीय परिसर का है। पुलिस ने महिला के पति को हिरासत में ले लिया है। पिता नत्थीराम ने बताया कि बेटी 4 भाई-बहनों में सबसे छोटी थी। वह पढ़ाई

प्रियंका, मृतक महिला सिपाही

में बहुत तेज थी। उसने हाल ही में एसआई की परीक्षा दी थी। लेकिन, मेरिट ज्यादा होने से उसका सिलेक्शन नहीं हो सका था।

सिपाही प्रियंका का पति रजत बेरोजगार है। वह भी सहारनपुर का रहने वाला है। दोनों दलित समाज से ताल्लुक रखते हैं। इसीलिए दोनों के बीच जान-पहचान हो गई थी। धीरे-धीरे उनके बीच अफेयर हो गया। इसी बीच प्रियंका की सिपाही पद पर नौकरी लग गई। सिपाही प्रियंका का परिवार इस रिश्ते के लिए तैयार नहीं था, लेकिन उसने परिवारवालों के खिलाफ जाकर रजत से शादी की थी।

एक का फेफड़ा फटा, दूसरा अजीब हरकतें कर रहा, अतीक के बेटे अहजम ने कब्रों पर फातिहा पढ़ी

अबान के दोस्त उमर जैद की हालत नाजुक

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। अतीक के सबसे छोटे बेटे अबान की हादसे में मौत के बाद उसे 8 अगस्त (शनिवार) को सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया। हादसे में घायल अबान के रिश्तेदार उमर और जैद की हालत नाजुक है। उमर का इलाज प्रयागराज के आशुतोष हॉस्पिटल में चल रहा था। उसकी 3 पसलियां टूटी हैं। हाथ-पैर में फैक्चर है। उसके लंग्स में ज्यादा दिक्कत आ गई है। बताते हैं कि फेफड़ा फट गया है।

शनिवार शाम तबीयत बहुत ज्यादा बिगड़ी, तो उसे दिल्ली के मेदांता ले जाकर शिफ्ट कर दिया गया। रविवार को उसका ऑपरेशन हुआ। दूसरे घायल जैद की भी

हालत नाजुक है। रविवार सुबह उसकी तबीयत ज्यादा बिगड़ने पर दिल्ली ले जाया गया। उसे दिल्ली के मिलिट्री अस्पताल में शिफ्ट किया गया है। जैद की 2 पसलियां टूटी हैं। एक हाथ और दोनों पैर फैक्चर होने के साथ गर्दन के पास जख्म है। जैद के सिर में गंभीर चोट लगने की वजह से वह अजीब हरकतें कर रहा है। जैद शहर के अमन अस्पताल में भर्ती था। डॉक्टरों की सलाह पर ब्रेन के इलाज के लिए उसे दिल्ली शिफ्ट किया गया है।

कार में सवार रहे तीसरे दोस्त फारुख अहजम की हालत ठीक है। उसके हाथ-पैर में चोट आई है। कई जगह मामूली जख्म हैं। ऐसे में उसे करेली के अस्पताल में रखा गया है।

उमर-अली जेल से पैरोल पर लाए जा रहे थे तो उनके पीछे कारों का लंबा काफिला था, रविवार को 28 कारों पर केस दर्ज किया गया।

बुआ के घर और मस्जिद में गुजर रहा अहजम का वक्त

अबान को सुपुर्द-ए-खाक करने के बाद हटवा में गमजदा माहौल है। रविवार को सुबह से शाम तक लोग अहजम से मिलने और परिवार को ढांढस बंधाने आते रहे। अहजम का ज्यादातर वक्त बुआ के घर या फिर मस्जिद में गुजरा।

असल में जिस घर में अबान का शव रखा गया था, वहां से गांव की बड़ी मस्जिद महज 100 मीटर दूर है। ऐसे में अहजम दोस्तों, रिश्तेदारों के साथ घर में बैठा, फिर मस्जिद चला जाता और वहीं बैठा रहता। उससे मिलने पहुंचे लोग भी मस्जिद में मुलाकात करते रहे।

अबान के सुपुर्द-ए-खाक के दूसरे दिन भाई अहजम कब्र पर पहुंचा

रविवार को अहजम एक बार फिर भाई की अबान की कब्र पर पहुंचा। फातिहा पढ़ा। उसके साथ रिश्तेदार और दोस्त भी मौजूद रहे। अहजम ने अबान की कब्र के साथ ही पिता अतीक, भाई असद और चाचा अशरफ की कब्रों पर भी फातिहा पढ़ा। असल में मुस्लिमों में सुपुर्द-ए-खाक के दूसरे और तीसरे दिन कब्र पर फातिहा पढ़ने परिवार के लोग जाते हैं। फिर हर जुमे की नमाज के बाद पहुंचते हैं। फिर चालीसवें पर कब्र पर फातिहा पढ़ते हैं।

आकाश बोले- भाजपा 110 रुपए में गन्ने का रस बेच रही, मायावती के भतीजे की 2 साल बाद रैली

'अखिलेश-राहुल 50 साल के बूढ़े इन्हें अंकल कहूंगा'

तमसा संकेत, एजेंसी

हाथरस । बसपा सुप्रीमो मायावती के भतीजे आकाश आनंद ने सोमवार को हाथरस में चुनावी रैली की। उन्होंने अखिलेश और राहुल गांधी को अंकल कहकर बुलाया। कहा- मैं 30 साल का हूं और अखिलेश जी 50 के। मैं 50 साल के वृद्ध को अंकल नहीं तो और क्या कहूंगा। हालांकि, अखिलेश की सही उम्र 53, जबकि राहुल की 56 साल है।

आकाश ने कहा- राहुल अंकल एक किताब लेकर घूमते हैं। संविधान की बात करते हैं। अगर किताब पलट दी जाए तो पता चलेगा कि उसके पन्ने खाली हैं। वे संसद में संविधान की बात करते हैं, लेकिन जिन राज्यों में कांग्रेस की सरकार है, वहां वही काम कर रहे, जो भाजपा

यूपी में कर रही है।

आकाश ने भाजपा पर हमला करते हुए कहा- एथेनॉल पेट्रोल के नाम पर 110 रुपए में गन्ने का रस बेच रहे हैं। देश में बेकार एक्सप्रेस-वे बनाए जा रहे। भाजपा सांसद के भाई ने लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस वे बनवाया, क्या उसमें इन्हें भ्रष्टाचार की बू नहीं आ रही। यमुना एक्सप्रेस वे पर एक भी गड्ढा नहीं, यह मायावतीजी के शासन में बना था।

आकाश ने पिछले साल 10 अक्टूबर को आखिरी बार लखनऊ में सभा की थी। चुनावी रैली की बात करें तो उन्होंने 2 साल 4 महीने बाद ये सभा की। अप्रैल, 2024 में सीतापुर में आकाश ने पार्टी लाइन से हटकर बयान दिया था। कहा था- भाजपा की सरकार बुलडोजर सरकार नहीं, बल्कि आतंकवादी सरकार है। आकाश पर मुकदमा हुआ। इसके बाद मायावती आकाश को उत्तराधिकारी पद के साथ नेशनल कोऑर्डिनेटर पद से हटा दिया था। हालांकि, बाद में मायावती ने अपना फैसला वापस ले लिया था। बसपा के नेशनल कोऑर्डिनेटर आकाश ने कहा- यूपी में 2017 से भाजपा की सरकार है। इतने सालों में इन्होंने सिर्फ अपनी कमियां छिपाने का काम किया। आपके 7 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा टैक्स के पैसों से भाजपा ने सिर्फ अपना प्रचार किया। इन पैसों से भाजपा ने अपनी कमियां छिपाईं।

भाजपा की आदत दूसरों के काम पर अपना झंडा लगाना है। काम किसी और का, फीता ये लोग काटते हैं। ये हाल तब है, जब डबल इंजन की सरकार है। 4 लाख से ज्यादा सरकारी पद खाली पड़े हैं। पेपर लीक हो रहे हैं।

भरत सिंह, प्रत्याशी मधुबन सीट
डॉ. अविन शर्मा, प्रत्याशी सादाबाद सीट

> आकाश आनंद ने आज हाथरस की सादाबाद सीट से डॉ. अविन शर्मा को बसपा प्रत्याशी घोषित किया। इससे पहले बसपा मऊ की मधुबन विधानसभा सीट से भरत सिंह को प्रत्याशी घोषित कर चुकी है।

नोएडा में 16वीं मंजिल से कूदी महिला जुलाई में हुई थी शादी

मायके वालों ने लगाया हत्या का आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-108 स्थित डिवाइन मीडोज सोसाइटी में रविवार शाम एक महिला ने 16वीं मंजिल से कूदकर सुसाइड कर लिया। गंभीर हालत में परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। महिला की शादी 11 जुलाई को हुई थी। घटना के बाद उसके मायके वालों ने पति पर दहेज हत्या का आरोप लगाया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक सोसाइटी के लिली टावर के फ्लैट नंबर-1602 में पहचान 24 साल की कामिनी कुमारी पति मंथन धीमान के साथ किराये पर रह रही थीं। वह मूलरूप से एटा की रहने वाली थी। उनके पति मंथन धीमान देहरादून के रहने वाले हैं।

दोनों शादी के बाद सोसाइटी में किराये के फ्लैट में रह रहे थे।

कामिनी पहले एक बीपीओ में नौकरी करती थी, लेकिन कुछ समय पहले उसने नौकरी छोड़ दी थी। मंथल वीडियो एडिटर है।

पुलिस पूछताछ में मंथन ने बताया कि कामिनी पिछले कुछ समय से डिप्रेशन में थी और उसका इलाज चल रहा था। हालांकि, पुलिस की ओर से इलाज संबंधी कागजात मांगे जाने पर वह तत्काल कोई दस्तावेज उपलब्ध नहीं करा सका। पुलिस इस दावे की भी जांच कर रही है। इसके अलावा दंपति के बीच किसी तरह के विवाद या घटना से पहले किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी या नहीं, इसकी भी जानकारी जुटाई जा रही है।

पृष्ठ 01 का शेष...

'तिरंगा आजादी का ...

तिरंगा यात्रा का शुभारंभ करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नगर निगम परिसर के पार्क में स्थापित वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई की प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्पार्चन कर प्रथम स्वातंत्र्य समर में उनके योगदान को याद किया। तत्पश्चात मंच पर पहुंचकर उन्होंने भारत माता के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। अपने संबोधन के जरिये तिरंगा को केंद्र में रखकर उन्होंने लोगों में राष्ट्र प्रथम और देशभक्ति की भावना का संचार किया। इसके बाद वह टाउन हाल पहुंचे और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर तिरंगा यात्रा की अगुवाई करते आगे बढ़े। तिरंगा यात्रा में सीएम के साथ सांसद रविकिशन शुक्ल, महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव और अन्य जनप्रतिनिधि साथ-साथ कदम बढ़ा रहे थे। और, इनके समानांतर चल रहे थे उत्साह से सराबोर स्कूली बच्चे। सबके हाथ में लहरा रहा था राष्ट्रध्वज और राष्ट्रभक्ति के नारों से पूरा क्षेत्र गूंज रहा था। यात्रा शुरू होने से पहले ही नगर निगम परिसर में बड़ी संख्या में लोग जुट चुके थे। देशभक्ति के गीतों के बीच स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थी, एनसीसी कैडेट्स और समाज के विभिन्न वर्गों के लोग तिरंगा लेकर पहुंचे थे। बड़ी संख्या में लोग 'हर घर तिरंगा' अभियान की टी-शर्ट व कैप पहने हुए थे। यात्रा जैसे-जैसे आगे बढ़ी, लोगों का उत्साह भी बढ़ता गया। सीएम योगी की अगुवाई वाली तिरंगा यात्रा में अपार जनसमूह शामिल हुआ। सभी लोग हाथों में तिरंगा झंडा लहराते हुए चल रहे थे। ऐसा लग रहा था मानो सड़कों पर तिरंगे के साथ जनसमुद्र उमड़ पड़ा हो। जैसे जैसे यात्रा आगे बढ़ती रही, पूरा मार्ग राष्ट्रीय ध्वज के रंगों से प्रतिबिंबित होता रहा।

गांवों में लगाए गए ...

इससे महिलाओं के लिए भी गांव में रहते हुए अतिरिक्त आमदनी का एक नया जरिया तैयार हुआ है।

कोलंबिया में 7.4...

कोलंबिया में बार-बार भूकंप आने की सबसे बड़ी वजह इसकी भौगोलिक स्थिति है। यह देश 'रिंग ऑफ फायर' नाम के भूकंप और ज्वालामुखी वाले क्षेत्र में आता है। यहां नाजका, कोकोस और दक्षिण अमेरिकी जैसी कई बड़ी टेक्टोनिक प्लेटें आपस में टकराती हैं। इनमें से एक प्लेट दूसरी के नीचे धंसती रहती है। इसी वजह से जमीन के अंदर लगातार हलचल होती रहती है, जिससे अक्सर तेज भूकंप और ज्वालामुखी विस्फोट होते हैं।

भोपाल में 24 घंटे में ...

मौसम विभाग ने अगले कुछ घंटों में दिल्ली में लगभग 60kmph की रफ्तार के आंधी-तूफान और भारी बारिश की संभावना जताई है।

छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में स्थित नरहरा वाटरफॉल में रविवार को एक बड़ा हादसा टल गया। झरने में नहाते समय दो युवक पानी के तेज बहाव में बह गए, जिन्हें करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद सुरक्षित बाहर निकाला गया।

मध्यप्रदेश के राजगढ़ में ईको वैन नाले में बह गई। हादसे में तीन बच्चों और दो महिलाओं समेत 9 लोगों की मौत हो गई। दो युवकों ने तैरकर जान बचाई। हादसा पचोर-सारंगपुर रोड पर पड़ाना कस्बे में सोमवार सुबह करीब साढ़े 9 बजे हुआ।

चमोली जिले के नीती वैली में लगातार बारिश के बीच हालात बिगड़ते जा रहे हैं। तमक के पास बना वैली ब्रिज उफनती नदी की चपेट में आ गया है, जिसके चलते घाटी के 17 से ज्यादा गांवों का संपर्क प्रभावित हो गया है।

राममंदिर चढ़ावा...

रामवल्लभाकुंज के प्रमुख और राम मंदिर धार्मिक समिति के सदस्य स्वामी राजकुमार दास ने कहा कि संत समाज की नजर में चंपत राय निर्दोष हैं। अगर सभी जांचों में वे बेदाग साबित होते हैं, तो उन्हें दोबारा महासचिव बनाया जाना स्वागत योग्य होगा। स्वामी राजकुमार दास ने कहा कि स्वर्गीय अशोक सिंहल के साथ और उनके बाद चंपत राय ने राम मंदिर आंदोलन और निर्माण में काफी योगदान दिया है। इसलिए उन्हें सम्मान मिलना चाहिए। 23 जुलाई को अयोध्या में मणिराम दास छावनी ट्रस्ट के तुलसीदास प्राकृतिक चिकित्सालय परिसर में अयोध्या के प्रमुख संतों की बैठक हुई थी। ये बैठक चंपत राय के समर्थन को लेकर थी। इसमें महंत कमलनयन दास, राम मंदिर धार्मिक समिति के सदस्य स्वामी राजकुमार दास, महंत मिथिलेश नंदिनी शरण, अखाड़ा परिषद के प्रवक्ता महंत संजय दास, वैष्णव अखाड़ा परिषद के प्रवक्ता महंत गौरीशंकर दास, तुलसीदास छावनी के महंत जनार्दन दास और रामकचहरी के महंत शशिकांत दास समेत कई संत शामिल हुए थे।

झारखंड विधानसभा...

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया X पर एक पोस्ट में कहा, 'झारखंड में विरोध कर रहे छात्रों के खिलाफ बल प्रयोग गलत है। छात्रों को शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार है और बातचीत से ही समाधान निकल सकता है। झारखंड सरकार को इन छात्रों की बात सुननी चाहिए और उनकी समस्याओं का तुरंत समाधान करना चाहिए।'

छात्र नेता देवेंद्र नाथ महोती की धरनास्थल पर तबीयत बिगड़ गई। पुलिस प्रशासन ने उन्हें सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सरकार 'दूध का दूध...

अखिलेश के अलावा प्रियंका गांधी और अन्य विपक्षी सांसदों ने अमित शाह की तस्वीर वाले पोस्टर लेकर प्रदर्शन किया। उन्होंने अमित शाह की संसद से गैरमौजूदगी को दिखाने वाला कैलेंडर लहराया। कैलेंडर में शाह की तस्वीर के साथ सदन चलने की तारीखें लिखी थीं। हर तारीख के सामने 'गैरहाजिर' लिखा हुआ था। इधर, सपा सांसदों ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी को लेकर पोस्टर लहराए। 'चंदा चोर, गद्दी छोड़' के नारे लगाए। अखिलेश ने महिला आरक्षण, परिसीमन और FCRA विधेयक पर कहा सरकार सवाल से क्यों भाग रही है। लाठी चली, आंसू गैस के गोले चले, अस्पताल में छात्र भर्ती हुए, इलाहाबाद में आज भी बच्चों के ऊपर मुकदमें दर्ज हैं। जबकि, सरकार ने कहा था कि मुकदमें नहीं होंगे। सच्चाई ये है कि ये संस्थाओं पर कब्जा करना चाहते हैं। भाजपा बहुत बड़ी भूमाफिया पार्टी है।

महिला आरक्षण बिल, परिसीमन बिल और FCRA बिल पर बने गतिरोध के बारे में सपा सांसद राम गोपाल यादव ने कहा- अगर सरकार कुछ करना चाहती है, तो कोई चीज उसके रास्ते में नहीं आती है। उन्होंने इसे पहले ही लागू कर दिया है। उन्होंने इसे उसी रात 9 बजे लागू किया, जिस रात वोटिंग होनी थी। ठीक वैसे ही जैसे उन्होंने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के मामले में किया था।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि कांग्रेस FCRA संशोधन बिल का विरोध करेगी। सोमवार को विपक्षी दलों के फ्लोर लीडर्स की बैठक में भी इस पर चर्चा होगी।

भाजपा पर लगाया ...

उन्होंने भाजपा को भूमाफिया बताते हुए कहा कि जहां भी खाली जमीन या तालाब दिखाई देता है, वहां कब्जे की कोशिश की जाती है।

उन्होंने अयोध्या का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि वहां आस्था से जुड़े विषयों के साथ भी खिलवाड़ किया गया और जमीनों की कीमतों में कम समय में कई गुना वृद्धि कर उन्हें बेचा गया।

जंतर-मंतर पर ...

उधर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने लोकसभा में कहा कि शाह सदन में विस्तार से जवाब देंगे लेकिन विपक्ष को भरोसा देना होगा कि वह बहस से भागेगा नहीं। उन्हें गृहमंत्री का जवाब बिना हंगामा किए सुनना पड़ेगा। हालांकि शाह कब बोलेंगे, रिजिजू ने इसकी जानकारी नहीं दी है। कांग्रेस ने अपने सभी सांसदों को व्हिप जारी किया और 10 अगस्त से 12 अगस्त के दौरान सदन में मौजूद रहने का आदेश दिया। लोकसभा में चार अहम बिल पेश किए गए। इनमें ट्रिब्यूनल्स रिफॉर्म्स बिल, 2026, माइंस एंड मिनरल्स डेवलपमेंट एंड रेगुलेशन अमेंडमेंट बिल, 2026 शामिल हैं।

बॉक्सर नरेंद्र ने पाकिस्तानी प्लेयर का नरेंद्र नाम से नफरत वाला किस्सा सुनाया, पीएम हंस दिए

मीराबाई के आंसू गोल्ड मेडल जैसे लगे : मोदी

मुलाकात

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को नई दिल्ली में कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों से मुलाकात की। इस मुलाकात का वीडियो सोमवार को यूट्यूब पर लाइव किया गया।

पीएम मोदी ने बातचीत की शुरुआत में कहा, पिछले 10-12 सालों में अगर मैं इस आवास पर नियमित रूप से किसी से मिला हूं, तो वे खिलाड़ी हैं। 10-12 सालों में खिलाड़ियों की मेहनत, लगातार सफलता और नई ऊंचाइयों को छूने की परंपरा ने देश का मान बढ़ाया है। नरेंद्र बेरवाल ने 2015 वर्ल्ड मिलिट्री गेम्स का एक मजेदार किस्सा सुनाया। उन्होंने बताया कि उनका पहला मुकाबला पाकिस्तान के बॉक्सर से था।

पीएम मोदी गोल्ड मेडलिस्ट मीराबाई चानू से बातचीत करते हुए।

चानू बोलीं- मैं अपने आंसू नहीं रोक सकी

PM मोदी ने वेटलिफ्टर मीराबाई चानू से कहा, आपके इतने आंसू टपक रहे थे कि मुझे लगा, हर बूंद से जैसे गोल्ड मेडल टपक रहा हो। चानू ने कहा, पेरिस ओलिंपिक में मेडल से चूकने के बाद पिछले चार साल मेरे लिए बेहद मुश्किल रहे। इस दौरान मुझे लगातार चोटों और पारिवारिक परेशानियों का सामना करना पड़ा। कॉमनवेल्थ गेम्स में पदक जीतने के बाद जब मैं पोडियम पर खड़ी थी और राष्ट्रगान बज रहा था, तब मैं अपने आंसू नहीं रोक सकी। चानू ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में विमेंस वेटलिफ्टिंग की 48 kg वेट कैटेगरी में कुल 190 किलो वजन उठाकर गोल्ड जीता था।

जादुमणि बोले- पाकिस्तानी बॉक्सर को हराना तय कर लिया था

बॉक्सर जादुमणि सिंह ने पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले का अनुभव साझा किया। उन्होंने 26 जुलाई को प्री-क्वार्टरफाइनल में पाकिस्तान के रहमान सुमामा को 5-0 से हराया था। मुकाबला कारगिल विजय दिवस के दिन हुआ था। जादुमणि ने कहा कि वे भारतीय सेना से जुड़े हैं। इसलिए उन्होंने पहले ही तय कर लिया था कि पाकिस्तान को हराना है। जीत के बाद उन्होंने अपना मेडल कारगिल के वीरों को समर्पित किया। पीएम मोदी ने भी उनके इस जज्बे की तारीफ की।

मुकाबले से पहले भारतीय सेना की ओर से उन्हें फोन आया था। कहा गया था कि पाकिस्तान से मुकाबला नहीं हारना है।

दिलीप ने मेडल अपने कोच को गिफ्ट किया

पैरा एथलीट दिलीप महादु गावित ने अपना मेडल कोच को डेडिकेट किया। उन्होंने बताया कि इवेंट के दिन गुरु पूर्णिमा थी। इसलिए उन्होंने मेडल अपने गुरु को गिफ्ट कर दिया। दिलीप ने पैरा T47 कैटेगरी की 100 मीटर रेस में 10.71 सेकेंड का समय निकालकर गोल्ड जीता था।

- हरियाणा की सीमा कालीरमन ने भी मुलाकात का मजेदार किस्सा बताया। उन्होंने कहा कि उनके दोस्त अक्सर मजाक में पूछते थे- तुमने मोदी से मुलाकात कर ली।
- सीमा ने कहा कि अब वह खुशी से उन्हें बता पाएंगी- हां, मैं मोदी जी से मिली हूं। सीमा ने डिस्कस थ्रो में 58.65 मीटर का थ्रो कर ब्रॉन्ज मेडल जीता था।

सरफराज खान दो साल बाद भारतीय टीम में शामिल

चोटिल साई सुदर्शन की जगह मौका मिला, गॉल टेस्ट से पहले टीम से जुड़ेंगे

नई दिल्ली। बैटर सरफराज खान को दो साल बाद टीम इंडिया में जगह मिली है। उन्हें श्रीलंका दौर पर चोटिल साई सुदर्शन की जगह शामिल किया गया। BCCI ने रविवार शाम को इसकी जानकारी दी। भारतीय टीम श्रीलंका के खिलाफ गॉल में 15 अगस्त से पहला टेस्ट खेलेगी। सरफराज ने पिछला टेस्ट 2024 में वानखेड़े स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। वे अब तक 6 टेस्ट मैच ही खेल सके हैं।

BCCI ने साई सुदर्शन की रिकवरी पर अपडेट भी दिया। साई सुदर्शन बेंगलुरु स्थित BCCI सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (COE) में रिहैबिलिटेशन कर रहे हैं। वे अच्छी तरह ठीक हो रहे हैं। मेडिकल टीम उनकी रिकवरी पर

लगातार नजर बनाए हुए है। साई सुदर्शन को पिछले महीने श्रीलंका-ए के खिलाफ दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट के दौरान पैर के अंगूठे में चोट लगी थी। उन्होंने उसी दौरे पर लगातार दो शतक जड़कर शानदार फॉर्म दिखाई थी।

श्रीलंका दौरे से पहले ही भारतीय टीम कई चोटों से परेशान है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह घुटने की चोट के कारण पूरी टेस्ट सीरीज से बाहर हो चुके हैं। वॉशिंगटन सुंदर हैमस्ट्रिंग इंजरी के चलते पहला टेस्ट नहीं खेलेंगे। हर्षित राणा (हैमस्ट्रिंग), नीतीश कुमार रेड्डी (क्वाड्रिसेप्स) और आकाश दीप (पीठ की चोट) भी उपलब्ध नहीं हैं।

नेट्स के दौरान टेस्ट कप्तान शुभमन गिल की दाएं हाथ की अनामिका उंगली में चोट लगी थी। वे एहतियात के तौर पर वॉर्म-अप मैच के शुरुआती 2 दिन खेलने नहीं उतरे। हालांकि, तीसरे दिन वे यशस्वी जायसवाल के साथ ओपन करने उतरे और 44 रन बनाए।

37 गेंद में 86 रन बनाए, हैम्पशायर ने ससेक्स को 51 रन से हराया

इंग्लैंड डोमेस्टिक वनडे-टोबी ने 6 गेंदों पर 6 छक्के लगाए

होव, एजेंसी

इंग्लैंड के वनडे कप में हैम्पशायर के बल्लेबाज टोबी अल्बर्ट ने लगातार 6 गेंदों पर 6 छक्के लगा दिया। उन्होंने ससेक्स के खिलाफ सिर्फ 37 गेंदों में 86 रन की तेज पारी खेली।

अल्बर्ट ने पहले ओवर में 2 छक्के आए। इसके बाद अगले ओवर में उन्होंने लगातार 4 गेंदों को सिक्स के लिए भेज दिया।

अल्बर्ट की पारी के बदौलत हैम्पशायर ने 383/9 रन बनाए। जवाब में ससेक्स 332 रन पर ऑलआउट हो गई। हैम्पशायर ने मुकाबला 51 रन से जीत लिया।

अल्बर्ट जब बल्लेबाजी करने आए, तब हैम्पशायर का स्कोर 200 रन के पार पहुंच चुका था। उन्होंने आते ही रन बनाने की रफ्तार बढ़ा दी। ससेक्स के नैंटेस ओस्टहुइजन गेंदबाजी कर रहे थे। अल्बर्ट ने उनके ओवर में लगातार दो छक्के लगाए। इसके बाद अगला ओवर ओली कर्टली लेकर आए। अल्बर्ट ने उनकी लगातार चार गेंदों पर चार छक्के जड़ दिए। हालांकि, इन छक्कों को एक ओवर में लगाए गए 6 छक्कों का रिकॉर्ड नहीं माना जाएगा। वजह यह है कि ये दो अलग-अलग ओवर में आए। अल्बर्ट ने 37 गेंदों पर 86 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 5 चौके और 8 छक्के निकले। उनका स्ट्राइक रेट 232 का रहा। अल्बर्ट को 21 रन के स्कोर पर जीवनदान भी मिला। हैम्पशायर ने 189 गेंदों में 200 रन पूरे कर लिए थे। अल्बर्ट के बाद एडी जैक ने 5 गेंदों पर 20 रन बनाए। उन्होंने भी एक छक्का लगाया। हैम्पशायर ने 50 ओवर में 383/9 का स्कोर खड़ा कर दिया।

ससेक्स की शुरुआत खराब रही। टॉम हेन्स और ओली कार्टर जल्दी आउट हो गए। इसके बाद चार्ली टियर ने पारी संभाली। उन्होंने 94 गेंदों पर 111 रन बनाए। टियर ने 13 चौके और 2 छक्के लगाए।

225 रन की ओपनिंग साझेदारी

हैम्पशायर की शुरुआत शानदार रही। एक समय टीम का स्कोर 225 रन बिना किसी नुकसान के था। ओपनर अली ऑर और 18 साल के बेन मेयस दोनों ने शतक लगाए। ऑर ने 105 रन बनाए। उन्होंने 14 चौके और एक छक्का लगाया। वहीं मेयस ने 109 रन की पारी खेली। यह उनका लिस्ट-ए क्रिकेट में पहला शतक था। दोनों के बीच शतकीय साझेदारी सिर्फ 92 गेंदों में पूरी हुई थी।

मनोरंजन

पत्नी सुनीता के अफेयर के आरोपों पर गोविंदा बोले- दूरी बनाने के लिए बुराई करना जरूरी नहीं

'कामयाबी के लिए अपनों को बदनाम करना गलत'

नई दिल्ली, एजेंसी

गोविंदा ने पत्नी सुनीता आहूजा के उन आरोपों पर जवाब दिया है, जिनमें उन्होंने उनके कई अफेयर्स की बात कही थी। गोविंदा ने कहा कि सुनिता सार्वजनिक तौर पर उनके बारे में नकारात्मक बातें कर स्टारडम हासिल कर रही हैं। साथ ही एक्टर ने कहा कि क्या आपको कामयाबी के लिए दूसरों को बदनाम करना जरूरी है।

बातचीत में सुनीता के कई लड़कियों से अफेयर के दावों पर गोविंदा ने कहा, "वह मुझे बहुत प्यार से गाली देती हैं और मैं उनके हाथ से खाता भी हूं। मुझे लगता है

कि जो लोग जहां हैं और भगवान ने उन्हें जो भी भूमिका दी है, अगर वो वहां नहीं होते हम कामयाब नहीं हो सकते थे।"सुनीता आहूजा हाल ही में 'लॉक अप 2' की कंटेस्टेंट बनी थीं। शो के दौरान उन्होंने गोविंदा के कथित अफेयर्स पर बात की थी। उन्होंने कहा था, "प्यार में आपको हर चीज सहन करने में सक्षम होना चाहिए। चीची (गोविंदा) के जवानी में कई अफेयर्स रहे हैं। तब मैंने नजरअंदाज किया था, लेकिन अब नहीं करूंगी।

गोविंदा बोले- दूरी बनाने के लिए आरोप लगाना जरूरी नहीं

गोविंदा ने इशारा किया कि उनके बारे में खुलकर बोलने के बाद सुनीता को स्टारडम मिला। उन्होंने कहा, "बहुत सी बातें ऐसी होती हैं, जो बयां नहीं की जातीं। क्या दूरी बनाने के लिए आरोप लगाने की जरूरत है क्या? लेकिन लोग मानते हैं कि ये निकलने का आसान रास्ता है।"

उन्होंने सवाल किया, "कामयाबी के लिए अपने ही लोगों की बुराई जरूरी है क्या? यह थोड़ा आसान है। सुनीता तारीफ करती है फिर एक बुराई करती है। मुझे इसमें ज्यादा प्यार दिखाई देता है।"

'जोरू का गुलाम' के डायरेक्टर नूरानी रेप केस में गिरफ्तार

एक्ट्रेस का आरोप-नशीली दवा दी, दुष्कर्म के बाद गर्भनिरोधक गोलियां देते थे 2016 का मामला

नई दिल्ली। फिल्म जोरू का गुलाम के डायरेक्टर 73 साल के शकील नूरानी को यौन उत्पीड़न और दुष्कर्म के मामले में गिरफ्तार किया गया है।

33 साल की एक्ट्रेस ने उन पर यौन शोषण, ब्लैकमेलिंग समेत कई आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायत के अनुसार, ये मामला 2016 का है।

मुंबई पुलिस को मिली शिकायत के अनुसार, एक्ट्रेस की शकील नूरानी से पहली मुलाकात 2016 में लोखंडवाला में एक अवॉर्ड फंक्शन के दौरान हुई थी। उन्होंने उनसे आने वाले एक प्रोजेक्ट के बारे में बात की और काम के लिए संपर्क करने को कहा था। शिकायत के मुताबिक बाद में एक्ट्रेस स्क्रिप्ट

आरोप है कि डायरेक्टर शकील नूरानी ने एक्ट्रेस को स्क्रिप्ट पढ़ने के लिए अपने घर बुलाया। उसे पीने के लिए सॉफ्ट ड्रिंक दिया, जिसके बाद एक्ट्रेस बेहोश हो गईं।

पढ़ने के लिए शकील नूरानी के मालवानी स्थित घर गई थीं। वहां नूरानी ने उन्हें सॉफ्ट ड्रिंक पीने को दिया, जिसके बाद वह बेहोश हो गईं। बाद में FIR दर्ज कर जांच शुरू की गई। एक्ट्रेस ने FIR में आरोप लगाया कि होश आने के बाद शकील नूरानी ने उन्हें अपने मोबाइल पर एक्ट्रेस का वीडियो दिखाया। उन्होंने धमकी दी कि पुलिस से संपर्क करने या परिवार को जानकारी देने पर वह वीडियो सर्कुलेट कर देंगे। एक्ट्रेस का आरोप है कि नूरानी ने इसी कथित वीडियो के जरिए उन्हें धमकाया और कई बार उनका यौन उत्पीड़न किया।

कश्मीर में राजेश खन्ना ने तेज सप्रू को गालियां दीं

अगले दिन माफी मांगी, फिर दोनों रातभर बैठकर पीते रहे

नई दिल्ली। एक्टर तेज सप्रू ने हाल ही में बताया कि राजेश खन्ना ने कश्मीर में फिल्म की शूटिंग के दौरान उन्हें गालियां दी थीं।

'द रेडिफ' के पॉडकास्ट में तेज सप्रू ने बताया कि इस घटना से उनका दिल टूट गया था, क्योंकि वो राजेश खन्ना की बहुत इज्जत करते थे।

राजेश खन्ना की पर्सनैलिटी पर बात करते हुए तेज सप्रू ने कहा कि जब कोई शिखर पर होता है, तो कई बार उसके आसपास के लोग ही उसका दिमाग ज्यादा खराब कर देते हैं। हालांकि, राजेश खन्ना को लेकर उन्होंने यह भी कहा कि "इतने बड़े दिल वाला मैंने शायद ही किसी को देखा है।"

पॉडकास्ट में उन्होंने जम्मू-कश्मीर में अपनी एक फिल्म की शूटिंग के दौरान हुई घटना का जिक्र किया। सप्रू ने बताया, "एक बार हम साथ काम कर रहे थे। तभी अचानक पीछे से किसी की मुझे गालियां देते हुए आवाज सुनाई दी। मैंने मुड़कर देखा तो पाया कि वह काका जी (राजेश खन्ना) थे।"

तेज सप्रू ने बताया कि जब राजेश खन्ना ने उन्हें गालियां दीं, तब वह एक एक्ट्रेस के साथ थे। हालांकि उन्होंने उस एक्ट्रेस का नाम और यह नहीं बताया कि राजेश खन्ना ने उन्हें गाली क्यों दी थी? सप्रू ने कहा कि इस घटना ने उन्हें बहुत परेशान कर दिया था। उन्होंने बताया कि राजेश खन्ना की पहली फिल्म (राज) उनके पिता डीके सप्रू के साथ थी और वह उनका बहुत सम्मान करते थे। तेज सप्रू ने कहा, "मैं सिर्फ उनका ही नहीं, बल्कि खुद से सीनियर और मेरे पिता के साथ काम करने वाले हर शख्स का सम्मान करता हूं। चाहे वह बड़ा एक्टर हो या छोटा, जब तक वह बैठ नहीं जाता, मैं खुद कुर्सी पर नहीं बैठता।"

आमिर को इग्नोर करने के दावे पर भड़कीं प्रीति जिंटा, बोलीं- नेगेटिविटी बढ़ाओगे तो तस्वीरों के लिए रुकने की उम्मीद न करें

आमिर को इग्नोर करने के दावे पर भड़कीं प्रीति जिंटा

नई दिल्ली। प्रीति जिंटा ने फिल्म 'बंटवारा 1947' के प्रमोशन के दौरान आमिर खान को नजरअंदाज करने के दावों को खारिज किया। प्रीति ने पोस्ट को 'क्लिकबेट कंटेंट' बताया और कहा कि उन्होंने उस समय आमिर को देखा ही नहीं था।

दरअसल, एक पैपराजी अकाउंट ने फिल्म के प्रमोशनल इवेंट का वीडियो पोस्ट किया था। वीडियो में प्रीति अपनी वैनिटी वैन से बाहर निकलकर फोटोग्राफर्स से पूछती दिखीं, 'एक मिनट, गाइज, कहां जाना है?'

फोटोग्राफर्स के दिशा बताने के बाद प्रीति दूसरी तरफ चली गईं। आमिर अपनी वैनिटी वैन के पास खड़े थे, लेकिन प्रीति ने उनकी ओर ध्यान नहीं दिया। इसके बाद एक पैपराजी पेज ने वीडियो के साथ कैप्शन लिखा, 'ओह नो, प्रीति जिंटा ने आमिर खान को नजरअंदाज किया?'

प्रीति लगभग 8 साल के बाद आमिर खान द्वारा निर्मित फिल्म 'बंटवारा 1947' से बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं।

प्रीति ने आगे लिखा, 'अगली बार, अगर आपका इरादा किसी भी तरह की नेगेटिविटी को बढ़ावा देना है, तो मुझसे यह उम्मीद न करें कि मैं रुककर तस्वीरें खिंचवाऊंगी। आमिर के लिए मेरे मन में बहुत प्यार और सम्मान है, इसलिए यह पोस्ट अच्छी बात नहीं है।' बता दें कि प्रीति जिंटा जल्द अपकमिंगम फिल्म 'बंटवारा 1947' में नजर आएंगे। फिल्म में सनी देओल, करण देओल, शबाना आजमी, अली फजल और अभिमन्यु सिंह भी हैं। फिल्म के डायरेक्टर राजकुमार संतोषी हैं और इसके प्रोड्यूसर आमिर खान (आमिर खान प्रोडक्शंस) तथा अपर्णा पुरोहित हैं।

> फिल्म भारत के विभाजन की पृष्ठभूमि पर आधारित है। फिल्म की कहानी हिंसा, विस्थापन और पारिवारिक संघर्ष से जूझ रहे एक परिवार के इर्द-गिर्द घूमती है। 'बंटवारा 1947' 14 अगस्त 2026 को रिलीज होगी।

यूजर्स ने दोनों के बीच अनबन की अटकलें लगाईं

वीडियो के बाद सोशल मीडिया यूजर्स ने दोनों एक्टर्स के बीच किसी विवाद या असहज रिश्ते को लेकर अटकलें लगानी शुरू कर दीं। प्रीति ने बाद में इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए वीडियो को पेश करने के तरीके की आलोचना की।

उन्होंने लिखा, 'इस तरह का क्लिकबेट कंटेंट ठीक नहीं है। मैंने आमिर को नहीं देखा, क्योंकि मैं अंदर कुछ शॉट्स शूट करने की जल्दी में थी और फिर 'बंटवारा 1947' के प्रमोशन के लिए फ्लाइट पकड़नी थी।'

पहली बार किसी विदेशी डिप्लोमेट से अकेले मिले, कुछ देर में चीनी राजदूत से मिलेंगे

नेपाली पीएम ने भारतीय राजदूत से की मुलाकात

चर्चा

काठमांडू, एजेंसी

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने सोमवार को भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव से मुलाकात की। प्रधानमंत्री बनने के बाद किसी विदेशी राजदूत के साथ शाह की यह पहली वन-टू-वन मुलाकात है।

नवीन श्रीवास्तव ने शाह को प्रधानमंत्री बनने पर बधाई दी। उन्होंने भारत की ओर से नेपाल के साथ अच्छे रिश्ते और सहयोग को आगे बढ़ाने की बात कही। दोनों के बीच भारत-नेपाल संबंधों, विकास सहयोग और आपसी हित के मुद्दों पर

चर्चा हुई। बालेन शाह ने कहा कि भारत और नेपाल के रिश्ते पुराने और भरोसेमंद हैं। उन्होंने दोनों देशों के बीच व्यापार बढ़ाने, बिजली, सड़क और दूसरे विकास कार्यों में मिलकर काम जारी रखने पर जोर दिया। बालेन शाह कुछ देर में चीनी राजदूत झांग माओमिंग से भी मिलेंगे।

अब विदेशी राजदूतों से सीधे मुलाकात भी इसी बदली हुई रणनीति का

नेपाली पीएम बालेन शाह ने अपना ही नियम क्यों तोड़ा

बालेन शाह जब काठमांडू के मेयर थे, तब उन्होंने विदेशी राजदूतों से अकेले मुलाकात न करने का रुख अपनाया था। प्रधानमंत्री बनने के बाद भी उन्होंने भारत, चीन और अमेरिका समेत कई देशों के राजदूतों और वरिष्ठ अधिकारियों से वन-टू-वन बैठक से दूरी बनाए रखी। शाह का मानना था कि शक्तिशाली देश नेपाल की सरकारी व्यवस्था को दरकिनार कर सीधे शीर्ष नेतृत्व तक पहुंच बनाने की कोशिश करते हैं। सामूहिक बैठकों से वह सभी देशों के साथ बराबरी का संदेश देना चाहते थे। लेकिन सरकार के 100 दिन पूरे होने के बाद सलाहकारों ने उन्हें घरेलू और विदेशी स्तर पर अलग-अलग लोगों से मिलने की सलाह दी। इसके बाद शाह ने नेताओं, कारोबारियों और उद्योगपतियों के साथ वन-टू-वन बैठकें शुरू कीं।

हिस्सा मानी जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, लंबे समय तक सीधे संवाद से दूरी बनाने पर नेपाल के कूटनीतिक रिश्तों पर असर पड़ने की चिंता भी थी।

बालेन शाह ने पीएम बनने के बाद विदेशी राजनयिकों से सिर्फ समूह (ग्रुप) में मुलाकात करने की नीति अपनाई।

पहले विदेशी अधिकारियों से अकेले नहीं मिलते थे शाह

प्रधानमंत्री बनने के शुरुआती दौर में शाह ने विदेश मंत्री के स्तर से नीचे के विदेशी अधिकारियों से वन-टू-वन मुलाकात नहीं करने की नीति अपनाई थी। वह विदेशी राजदूतों के साथ सामूहिक बैठकों को प्राथमिकता देते थे।

इसी वजह से भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री की 11-12 मई की नेपाल यात्रा के दौरान भी शाह से उनकी अकेले में मुलाकात नहीं हो सकी थी। शाह ने अमेरिकी अधिकारियों समीर पॉल कपूर और सर्जियो गोर से मुलाकात के अनुरोध भी स्वीकार नहीं किए थे।

इसके बजाय शाह ने 9 अप्रैल और 26 मई को काठमांडू में तैनात कई देशों के राजदूतों के साथ सामूहिक बैठकें की थीं।

अमेरिकाः न्यू जर्सी में स्कूल बस में सो गया 9 साल का बच्चा

परिवहन डिपो में मिला अकेला, उठ रहे सवाल

वाशिंगटन, एजेंसी

न्यू जर्सी में 9 साल का एक बच्चा स्कूल बस में सो जाने के कारण अपने स्कूल पहुंचने के बजाय सीधे बस डिपो पहुंच गया। पीपुल डॉट कॉम की रिपोर्ट के अनुसार, बच्चा जब डिपो में खड़ी खाली बस में सोकर उठा, तो उसे खुद ही डिपो से बाहर निकलने का रास्ता खोजना पड़ा। इस घटना के बाद बच्चे की मां अब स्कूल प्रशासन और परिवहन विभाग से जवाब मांग रही हैं कि बस के डिपो पहुंचने के बाद भी उनका बच्चा अंदर कैसे छूटा रह गया।

WPVI के अनुसार, बच्चे की मां वांडा चैंडलर ने बताया कि यह घटना गुरुवार, 6 अगस्त को हुई। उनका 9 साल का बेटा ब्लैकवुड, न्यू जर्सी स्थित यूनियन वैली एलीमेंट्री स्कूल में समर स्कूल के अपने आखिरी दिन बस से जा रहा था। चैंडलर ने बताया कि घटना के लगभग ढाई घंटे बाद उन्हें ग्लोस्टर टाउनशिप पब्लिक स्कूल्स डिस्ट्रिक्ट से एक फोन आया। उन्हें बताया गया कि उनका बेटा स्कूल नहीं पहुंचा है। बाद में पता चला कि बच्चा बस में ही सो गया था और अपना स्टॉप निकल जाने की वजह से आगे निकल गया।

बच्चे ने मीडिया को बताया कि जब उसकी आंख खुली, तो उसने खुद को बस डिपो में खड़ी एक खाली बस में पाया। उसने हिम्मत नहीं हारी और खुद ही बस का दरवाजा खोलने का तरीका खोजा।

दरवाजा खोलकर बाहर निकलने के बाद उसने किसी मदद की तलाश शुरू की। बच्चे ने बताया कि उसने वहां एक व्यक्ति को देखा और उससे पूछा कि वह वापस कैसे जा सकता है।

फास्ट न्यूज

अमेरिकाः टेकऑफ के लिए तैयार थी अलास्का एयरलाइंस की फ्लाइट 305

वाशिंगटन। रविवार शाम मियामी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से सीएटल के लिए उड़ान भरने वाली अलास्का एयर-लाइंस की फ्लाइट को अचानक वापस गेट पर लौटना पड़ा।

क्रू मेंबर्स द्वारा यात्रियों की तरफ से धमकी मिलने की रिपोर्ट के बाद पायलटों ने एहतियात के तौर पर कॉकपिट लॉकडाउन

लैब-ग्रोन हीरे से घटेगी अक्रचिप्स की गर्मी

बीजिंग। एआई की दुनिया में इन दिनों सबसे बड़ी चुनौती ताकतवर प्रोसेसरों से निकलने वाली अत्यधिक गर्मी को नियंत्रित करना है। एआई चिप्स हर सेकंड में खरबों कैल्क्युलेशन करते हैं, जिससे भयंकर ऊष्मा पैदा होती है। अगर इस गर्मी को समय रहते कम न किया जाए, तो चिप की स्पीड धीमी हो जाती है, बिजली की खपत बढ़ जाती है और प्रोसेसर जल्दी खराब हो सकता है।

आभूषणों की शान बढ़ाने वाले लैब-ग्रोन डायमंड यानी कृत्रिम हीरे इस तकनीकी समस्या का सबसे बड़ा समाधान बनकर उभरा है। हीरा हीट का सबसे बेहतरीन सुचालक होता है।

सऊदी अरब में सोफा फैक्ट्री में लगी भीषण आग

रियाद। सऊदी अरब के रियाद स्थित मूसा सनैया इलाके में एक सोफा कारखाने में लगी भीषण आग में 16 बांग्लादेशी नागरिकों की मौत हो गई है। सोमवार को बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने इस घटना की पुष्टि करते हुए मृतकों के परिवारों के प्रति गहरा दुख और संवेदना व्यक्त की। मंत्रालय ने रविवार को हुई इस घटना पर एक आधिकारिक बयान जारी कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

डाबर ने एफएसएसएआई पर भेदभाव का लगाया आरोप

कहा- कॉम्पिटिटर्स को फायदा पहुंचा रही

नई दिल्ली, एजेंसी

एफएमसीजी कंपनी डाबर ने फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। कंपनी ने FSSAI पर भेदभाव करने का आरोप लगाया है।

इसके अलावा कंपनी ने FSSAI पर कॉम्पिटिटर्स में शामिल अन्य मैन्युफैक्चरर्स के कॉमर्शियल हितों को बढ़ावा देने का भी आरोप लगाया। डाबर का दावा है कि प्रोडक्ट्स पर 100% दावे के इस्तेमाल को तुरंत बैन करने के आदेश से उसकी 150 करोड़ रुपए की वैल्यू की इन्वेंट्री यानी माल नष्ट होने के जोखिम में आ गया था।

6 अगस्त को दिल्ली हाईकोर्ट में दायर अपनी याचिका में डाबर ने FSSAI के इस आदेश को बिना सोच-समझकर जारी किया गया और एकतरफा बताया है। याचिका पर

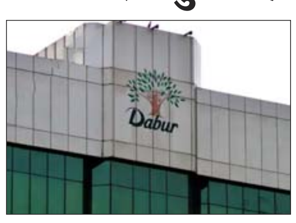

सुनवाई करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट ने कंपनी को राहत देते हुए FSSAI के आदेश पर 24 अगस्त तक स्टे लगा दिया। कोर्ट ने माना कि ऐसा कोई भी निर्देश जारी करने से पहले कंपनी को अपना पक्ष रखने का मौका दिया जाना चाहिए था। फूड रेगुलेटर FSSAI ने प्रोसेस्ड फूड प्रोडक्ट्स के विज्ञापनों और लेबल्स पर 100% प्योर, 100% नेचुरल या 100% ऑर्गेनिक जैसे दावों को भ्रामक माना है। FSSAI के अनुसार, इस तरह के दावे फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स (एडवर्टाइजिंग एंड क्लेम्स) रेगुलेशन, 2018 का उल्लंघन करते हैं।

पीओके में तीसरे चरण की वोटिंग टली

लगातार विरोध-प्रदर्शन के बीच फैसला, शहबाज की पार्टी पीएमएल-एन ने अब तक 24 सीटें जीतीं

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (PoK) में 10 अगस्त सोमवार को होने वाली वोटिंग टल गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, लगातार हो रहे प्रदर्शन के चलते यह चुनाव अनिश्चितकाल के लिए टाल दिए गए हैं।

PoK में कुल 45 सीटें हैं जिन पर चुनाव हो रहा है। इससे पहले दो चरणों में शहबाज शरीफ की पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (PML-N) ने कुल 24 सीटें जीतीं। इसके बाद PML-N का PoK में सरकार बनाना तय था। लेकिन तीसरे चरण की 11 सीटों पर चुनाव अब टल गया है।

PoK में विधानसभा चुनाव के पहले चरण के दौरान हिंसा भड़क गई। अलग-अलग घटनाओं में कम से कम 19 लोगों की मौत होने की खबर सामने आई थी। चुनावी

भारत ने चुनाव को दिखावटी बताया

भारत लंबे समय से PoK में होने वाले चुनावों को खारिज करता रहा है। भारत का कहना है कि पाकिस्तान को उस इलाके में कोई राजनीतिक प्रक्रिया चलाने का अधिकार नहीं है, जिसे भारत अपना हिस्सा मानता है।

धांधली के आरोपों और सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बीच कई मतदान केंद्रों पर झड़पें भी हुईं।

जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (JAAC) के समर्थकों का आरोप है कि रावलकोट में पाकिस्तानी फौज ने प्रदर्शनकारियों पर अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें 19 लोगों की

पीओके में रविवार को विरोध करते हुए प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तानी फौज की वर्दी सड़क पर टांग दी।

जान गई। संगठन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर मृतकों के नाम भी जारी किए हैं।

भारत ने PoK में हो रहे चुनावों को मानने से इनकार कर दिया है। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि पाकिस्तान इन चुनावों के जरिए PoK पर अपने अवैध कब्जे को छिपाने और वहां हो रहे मानवाधिकार उल्लंघनों से दुनिया का ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहा है।

12 रिजर्व सीटें रद्द करने की मांग पर आंदोलन

आंदोलनों के सफल होने से JAAC का जनाधार बढ़ा। अब संगठन महंगाई के मुद्दे से आगे बढ़कर PoK को ज्यादा स्वायत्तता और राजनीतिक अधिकार देने की मांग कर रहा है। सबसे बड़ी मांग PoK विधानसभा की 45 सीटों में से 12 आरक्षित सीटों को खत्म करने की है। ये सीटें उन कश्मीरी शरणार्थियों के लिए आरक्षित हैं, जो पाकिस्तान के दूसरे हिस्सों में रहते हैं। JAAC का कहना है कि जो लोग पाकिस्तान के दूसरे शहरों में रहते हैं, उन्हें PoK की सरकार बनाने का अधिकार नहीं होना चाहिए। JAAC के मुताबिक इन 12 सीटों की वजह से स्थानीय मतदाताओं की राय का असर कम हो जाता है और अक्सर केंद्र की सत्ता में बैठी पार्टी को फायदा मिलता है।

हारे तो मनमानी पर रोक लगेगी, नवंबर में होनी है वोटिंग, मिडटर्म के लिए नवंबर में होनी है वोटिंग

अमेरिकी मिडटर्म चुनाव में ट्रम्प की हार के 65% चांस

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका में मिडटर्म चुनाव से पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं। इप्सॉस-एएपीआई सर्वे के मुताबिक, चुनाव में ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी के हारने की संभावना 65% तक है। मिडटर्म के लिए वोटिंग नवंबर में होनी है।

मिडटर्म चुनाव ट्रम्प के चार साल के कार्यकाल के बीच होने वाला बड़ा राजनीतिक इम्तिहान है। इसमें अमेरिकी संसद यानी कांग्रेस के साथ राज्यों और स्थानीय सरकारों के कई अहम पदों के लिए वोटिंग होगी। रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक पार्टियों के करीब 80% उम्मीदवार पहले ही तय हो चुके हैं।

मिडटर्म में रिपब्लिकन पार्टी

हारती है तो ट्रम्प राष्ट्रपति बने रहेंगे। लेकिन कांग्रेस में बहुमत खोने पर उनके फैसलों पर रोक-टोक बढ़ सकती है। ईरान युद्ध अब सिर्फ विदेश नीति का मामला नहीं है। इसका असर सीधे अमेरिकी लोगों की जेब पर पड़ रहा है। इप्सॉस सर्वे में 20% वोटरों ने ईरान युद्ध को वोट का अहम मुद्दा बताया।

अगर जंग लंबी खिंची और तेल महंगा हुआ तो पेट्रोल, ट्रांसपोर्ट और रोजमर्रा की चीजें महंगी हो सकती हैं। यानी ट्रम्प के सामने चुनौती है ईरान पर सख्ती भी दिखानी है और अमेरिकी लोगों को महंगाई से राहत का भरोसा भी देना है।

2024 में इमिग्रेशन ट्रम्प की बड़ी ताकत था,

महंगाईः ट्रम्प की आर्थिक रेटिंग 32% पर फिसल गई

अमेरिकी वोटरों की सबसे बड़ी चिंता महंगाई है। इप्सोस सर्वे में 54% लोगों ने महंगाई और अर्थव्यवस्था को वोट का बड़ा मुद्दा बताया। वहीं, एपी-एनओआरसी सर्वे में सिर्फ 32% लोगों ने माना कि ट्रम्प अर्थव्यवस्था अच्छी तरह संभाल रहे हैं। 69% अमेरिकियों को लगता है कि आर्थिक हालात खराब हैं। इप्सोस सर्वे में 65% लोगों ने कहा कि रोजमर्रा का किराना महंगा पड़ रहा है, जबकि 48% को डर है कि अगले साल आर्थिक हालात और खराब हो सकते हैं।

कहां कितनी सीटों पर होगा मुकाबला

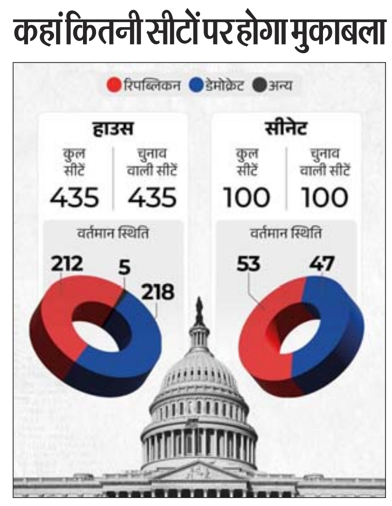

टैरिफ, वीजा और दूसरे बड़े नीतिगत फैसलों को लागू करने में ट्रम्प को डेमोक्रेट्स के विरोध का सामना करना पड़ सकता है। कार्यकाल के बाकी दो साल में उन्हें कांग्रेस के साथ ज्यादा तालमेल बनाकर चलना होगा।

लेकिन अब तस्वीर बदलती दिख रही है। हालिया सर्वे में 61% अमेरिकियों ने ट्रम्प की इमिग्रेशन नीति का विरोध किया, जबकि समर्थन सिर्फ 39% रहा।

थाईलैंड में पूर्व सांसद ने सरकारी अधिकारी पर चला दी गोली

पूर्व सांसद ने नोनथाबुरी सरकारी कार्यालय में की गोलीबारी

बैंकाक, एजेंसी

थाईलैंड के नोनथाबुरी स्थित एक सरकारी कार्यालय में एक पूर्व सांसद ने एक सीनियर अधिकारी और उनके ड्राइवर पर गोलीबारी हुई है। इस हमले में दो लोग घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह घटना देबसिरिन नोनथाबुरी स्कूल में एक किशोर द्वारा की गई भीषण गोलीबारी के कुछ ही दिनों बाद हुई है। गोली चलाने वाले संदिग्ध बंदूकधारी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

प्रांतीय पुलिस कमांडर मेजर जनरल देजरपी कोंगदी ने कहा कि पूर्व सांसद, संदिग्ध बंदूकधारी ने नॉनथाबुरी प्रोविंशियल एडमिनिस्ट्रेटिव ऑर्गनाइजेशन के ऑफिस में एक सीनियर प्रांतीय अधिकारी और उसके ड्राइवर पर गोली चलाई। इस घटना में एक वरिष्ठ प्रांतीय अधिकारी और उसके ड्राइवर को गोली चलाई।

- **वरिष्ठ प्रांतीय अधिकारी और ड्राइवर गोलीबारी में घायल, अस्पताल में भर्ती।**
- **पुलिस ने संदिग्ध पूर्व सांसद बंदूकधारी को तुरंत गिरफ्तार किया।**

गौरतलब है कि बीते शुक्रवार को थाईलैंड के देबसिरिन नोनथाबुरी स्कूल में हुई गोलीबारी में नौ लोगों की मौत हो गई और 20 लोग घायल हो गए। इस घटना में

बताया जा रहा है कि एक 14 वर्षीय लड़के ने पहले अपने दादा-दादी को भी गोली मारी और फिर खुद को भी गोली मार ली।

जांचः एरिजोना में 19 साल की गर्लफ्रेंड की मौत, भारत भागने की कोशिश का आरोप

गर्लफ्रेंड की हत्या का आरोपी भारतीय छात्र जर्मनी में पकड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी

20 साल के भारतीय नागरिक वरुण बटविगरी को जर्मनी में गिरफ्तार किया गया है। उन पर अमेरिका के एरिजोना में अपनी 19 साल की गर्लफ्रेंड जुलिसा रूवी सलाजार की गला दबाकर हत्या करने का आरोप है।

जुलिसा के परिवार ने उसकी चिंता होने पर पुलिस से वेलफेयर चेक कराने को कहा था। टक्सन पुलिस विभाग के मुताबिक, वे गुरुवार शाम करीब 4 बजे अपार्टमेंट पहुंचे, जहां जुलिसा बेहोश मिली। उसके शरीर पर चोट के निशान थे।

इस मामले में वरुण और जुलिसा के रिश्ते और उनसे जुड़े दुर्व्यवहार के आरोपों की भी जांच हो रही है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जुलिसा यह रिश्ता खत्म करना चाहती थी। उसके साथ यौन हमले और दुर्व्यवहार होने की बात भी सामने आई है।

5 अगस्त को जुलिसा के रूममेट्स ने उसके कमरे से तेज चीखने की

अमेरिकी मीडिया के मुताबिक, वरुण पर फर्स्ट-डिग्री मर्डर का शक है। जुलिसा का शव गुरुवार को एरिजोना यूनिवर्सिटी के पास टक्सन स्थित उसके अपार्टमेंट में मिला था।

पुलिस ने आरोपी को जर्मनी में ट्रेस किया

जांचकर्ताओं का कहना है कि वरुण जुलिसा का फोन और क्रेडिट कार्ड लेकर गया था। उसने जुलिसा की मां को कई मैसेज भी भेजे। पुलिस को पता चला कि वरुण टक्सन से भाग चुका है। वह टक्सन इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचा और वहां से ह्यूस्टन की फ्लाइट ली। इसके बाद उसने जर्मनी के बर्लिन जाने वाली दूसरी फ्लाइट ली। अधिकारियों का मानना है कि वरुण भारत लौटने की कोशिश कर रहा था। उसकी गतिविधियों पर नजर रखते हुए पुलिस ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया। अधिकारियों ने वरुण का पता लगाया और जर्मनी पहुंचने के बाद उसे हिरासत में लिया। उसे एरिजोना लाए जाने की उम्मीद है, जहां उस पर फर्स्ट-डिग्री मर्डर का आरोप लगाया जाएगा और उसे पिमा काउंटी एडल्ट डिटेंशन सेंटर में दर्ज किया जाएगा।

आवाज सुनी थी। इससे वे चिंतित हो गए और उन्होंने जुलिसा से संपर्क कर पूछा कि वह सुरक्षित है या नहीं। रूममेट्स को जवाब मिला कि वह ठीक है और कमरे में

सोशल मीडिया पर वायरल हो रही जुलिसा की फोटो।

केवल बहस हुई थी। एक महिला ने जांचकर्ताओं को यह भी बताया था कि वरुण ने हैलोवीन के दिन जुलिसा पर यौन हमला किया था। हालांकि, जुलिसा ने इस घटना की शिकायत उस समय नहीं की थी। वरुण एरिजोना यूनिवर्सिटी में बिजनेस एनालिटिक्स की पढ़ाई कर रहा था। हालांकि, एक लड़ाई के बाद उसे यूनिवर्सिटी से निकाल दिया गया था और उसकी पढ़ाई बीच में ही रुक गई थी।

सोने की कीमत 1,440 बढ़कर 1.51 लाख हुई

चांदी आज 1,909 बढ़कर 2.33 लाख पर पहुंची

नई दिल्ली, एजेंसी

सोने-चांदी की कीमत में आज यानी 10 अगस्त को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 1,440 रुपए बढ़कर 1.51 लाख रुपए पर पहुंच गया है। एक किलो चांदी की कीमत 1,909 रुपए बढ़कर 2.33 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस महीने यानी अगस्त में सिर्फ 6 दिन में ही सोना 8,201 और चांदी 14,995 रुपए महंगी हो चुकी है।

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 18 हजार रुपए महंगा हुआ है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए के ऊपर था, जो अब 1.51 लाख रुपए पर

पहुंच गया है। चांदी की कीमत में 3 हजार रुपए की बढ़त है। चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.33 लाख रुपए पर है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था। कमोडिटी एक्सपर्ट अजय केडिया के मुताबिक सोने-चांदी के दाम अपने हाई से काफी नीचे आ चुके हैं। ऐसे में निवेशक इसमें निवेश कर रहे हैं, हालांकि इनमें एकमुश्त निवेश करने से बचना चाहिए।

तमसा संकेत

tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने इनके विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं है। मो0- 9415799533

R.N.I. NO. 64107/96